जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 15 संख्याः 265 प्रभात हिण्डौन सिटी, मंगलवार 25 जुलाई, 2023 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

असम में ज़हर से मरे हजारों पक्षियों के एक वीडियो ने सोशल मीडिया को हिलाकर रख दिया। वन विभाग ने मृत पक्षियों के अवशेष जांच के लिए भिजवाए हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, छब्बीस जून को बारपेटा जिले के जानिया गाँव में धान में विष मिलाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों, नागर अली और सागर अली की पहचान कर ली गई है। रिपोर्ट के अनुसार इनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। पक्षियों की सामूहिक मृत्यु पर लोगों का ध्यान तब गया जब एक पर्यावरणविद् ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किया। मरने वाले पक्षी हैं ''स्पॉटेड डव'' (चित्तीदार फाख्ता), जो मूलतः एशिया, खासकर भारत में मिलते हैं और इस क्षेत्र में तो इनकी संख्या अच्छी खासी है। स्थानीय अलाभकारी संस्था, अरण्यक के सैक्रेटरी जनरल बिभब कुमार तालुकदार ने कहा, ''विष की वजह से इतने सारे पक्षियों का मरना एक दुखदायी घटना है। मैं लोगों से अपील करता हूं कि गांवों में निगरानी बढ़ाएं तथा लोगों में जागरुकता पैदा करें।'' वीडियो के अनुसार, पक्षियों को फसल खाने से रोकने के लिए विष डाला गया। तालुकदार ने कहा कि ''यहां इस मौसम की प्रमुख फसल चावल है और भोजन के लिए पक्षियों का खेतों में आना बेहद आम है। लेकिन इन्हें रोकने के लिए फसल पर विष डालना अतिवादी कदम है।'' उन्होंने कहा कि, ये पक्षी इकोसिस्टम में अहम् भूमिका निभाते हैं। कई प्रकार के कीटों और चूहों को खाकर ये फसलों को बचाते हैं। यही नहीं, कई पौधों के परागण और उनके रीजनरेशन में भी मदद करते हैं। खेतों में इन पक्षियों की मौजूदगी से ना केवल इकोसिस्टम संतुलित रहता है बल्कि इससे जैवविविधता को भी प्रोत्साहन मिलता है और फसल का भी बचाव होता है।

एक लाल डायरी ने हिला कर रख दिया है गहलोत सरकार को

डायरी किसके पास है और इसमें क्या है? ऐसे कई सवाल हैं, जिनका जवाब जयपुर से लेकर दिल्ली तक का मीडिया ढूंढ रहा है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जुलाई। ''लाल डायरी'' ने गहलोत सरकार को हिला कर रख दिया है।

यह डायरी किसके पास है तथा इसमें क्या है? जयपुर से लेकर दिल्ली तक के पूरे मीडिया-जगत को ऐसे ही बहुत सारे प्रश्नों के उत्तरों की प्रतीक्षा है।

इस समय राजस्थान के सबसे चर्चित व्यक्ति राजेन्द्र गुढ़ा द्वारा राजस्थान में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार एवं अशोक गहलोत के भ्रष्टाचार, जिसका विवरण कथित लाल डायरी है, का मुद्दे उठाये जाने के बाद, भाजपा ने इस मुद्दे को जबरदस्त तरीके से पकड़ लिया है।

भाजपा ने संसद में गहलोत एवं उनकी सरकार के खिलाफ तख्तियाँ लहराई तथा कहा कि अशोक गहलोत के शासन में राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की सर्वाधिक संख्या वाला राज्य बन गया है।

- चर्चा है कि, लाल डायरी में अशोक गहलोत के भ्रष्टाचार का विस्तृत ब्यौरा है।
- भाजपा सांसदों ने संसद में गहलोत व उनकी सरकार के खिलाफ तख्तियाँ लहराईं तथा आरोप लगाया कि, गहलोत के राज में राजस्थान की महिलाओं के खिलाफ सर्वाधिक अपराध हुए हैं।
- जब अशोक गहलोत ने अपमानजनक तरीके से गुढ़ा को मंत्री पद से हटाया तो, उन्हें समझना चाहिए था कि, इसका अंजाम क्या हो सकता है। इस चुनावी वर्ष में बेहतर होता उन्हें बुला कर शांत किया जाता।

भाजपा ने यह भी पूछा कि राजस्थान में महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों के मामले में प्रियंका गांधी खामोश क्यों है।

जहाँ भाजपा संसद में राजस्थान पर चर्चा कराना चाहती है, वहीं लाल डायरी के तथाकथित अस्तित्व के बाद, कांग्रेसजन बैकफुट पर आ गये हैं।

धर्मेन्द्र राठौड़ कथित रूप से गहलोत के ''बैग मैन'' हैं। जहाँ गहलोत अपनी सौदेबाजी के साक्ष्यों एवं प्रमाणों को छिपाने की कोशिश में हैं, वहीं सब लोग यह कयास लगा रहे हैं कि उस डायरी में क्या है।

जब अशोक गहलोत ने राजेन्द्र गुढ़ा को बड़े रूखे तरीखे से मंत्रिमण्डल से बर्खास्त किया था, उस समय उनको यह सोचना-समझना चाहिये था कि इसका अंजाम क्या हो सकता है। इस चुनावी वर्ष में, बेहतर विकल्प यह रहा होता कि मुख्यमंत्री उन्हें बुलाते तथा समझाबुझा कर उन्हें शांत एवं संतुष्ट करते।

लेकिन न तो इसके साथ ही गुढ़ा के आरोप समाप्त हो रहे हैं और गहलोत के भ्रष्टाचार की चर्चाएं, जिसे राज्य का मीडिया जोरदार तरीके से सामने नहीं ला रहा है।

''मिसिंग'' विदेश मंत्री और ''सीक्रेसी'' की सनक ने चीन की छवि को भारी नुकसान पहुंचाया

चीन के विदेश मंत्री चिन को 25 जून के बाद से किसी ने भी नहीं देखा है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जुलाई। बीजिंग अटकलों को नहीं रोक पाया है क्योंकि संदेहवादी लोग इन सरकारी बयानों पर संदेह कर रहे हैं कि कुछ अज्ञात स्वास्थ्य संबंधी तकलीफों के कारण देश के विदेश मंत्री चिन गांग लम्बे समय से सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दे रहे हैं।

कूटनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि हाई प्रोफाइल विदेश मंत्री के नज़र नहीं आने को लेकर बरती जा रही गोपनीयता देश के राजनैतिक तंत्र से जुड़े संदेहों को और भी बढ़ा रहे हैं।

- विदेश मंत्री कहां हैं, इस पर तो चीन ने कुछ नहीं कहा, पर इन अफवाहों को अवश्य बढ़ावा दिया कि, वे बीमारी के कारण सामने नहीं आ रहे हैं।
- चिन को आखिरी बार 25 जून को देखा गया था, तब वे रूस, वियतनाम व श्रीलंका के राजनयिकों से मिले थे।
- उसके बाद उनके जितने भी निर्धारित कार्यक्रम थे, उनमें से अधिकतर कार्यक्रम उनकी ''अनुपस्थिति'' बता कर रद्द कर दिए गए।
- विदेश मंत्री की गुमशुदगी को पश्चिमी जगत व विदेश नीति विशेषज्ञ अशुभ संकेत मान रहे हैं।

चीनी कूटनीति के लिहाज से यह एक महत्वपूर्ण समय है। पिछले महीने में कई देशों के वर्तमान व भूतपूर्व नेताओं ने चीन के दौरे किये हैं लेकिन देश के विदेश मंत्री साफ तौर पर अनुपस्थित ही रहे हैं।

''साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट'' के अनुसार, क्विन, जो देश का चेहरा माने जाते हैं, 25 जून से ही लोगों की नजरों से दूर हैं तथा वे अति महत्वपूर्ण अवसरों, जैसे इंडोनेशिया में हुई विदेश मंत्रियों की रीजनल मीटिंग तथा वरिष्ठ अमेरिकन नेताओं द्वारा की गईं चीन यात्राओं आदि के दौरान भी अनुपस्थित ही रहे।

बीजिंग ने अभी तक इस बारे में कुछ नहीं कहा कि वे कहाँ हैं। दिन पर दिन बढ़ते जा रहे संदेह एवं अटकलों के बावजूद, केवल इतना ही बताया जा रहा है कि वे किन्हीं अज्ञात ''स्वास्थ्य कारणों'' से गैर हाजिर हैं।

कूटनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि चिन, जिनका चयन सिर्फ सात माह पहले ही राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने किया था, की लंबे समय से चली आ रही अनुपस्थिति बहुत बड़ी परेशानी एवं लज्जा का विषय बनती जा रही प्रतीत हो रही है।

उन्होंने यह भी कहा है कि उनकी अनुपस्थिति से संबंधित गोपनीयता को बीजिंग द्वारा समाप्त न करने से चीन के अपारदर्शी निर्णयों के बारे में भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

युन सुन, जो वाशिंगटन के ''स्टिम्सन सेन्टर'' पर चीनी कार्यक्रमों के निदेशक हैं, ने कहा है कि बीजिंग का संक्षिप्त एवं रूखा जवाब विश्वास के योग्य नहीं है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, चिन अंतिम बार उस समय सबके सामने आये थे, जब 25 जून को वे रूस, वियतनाम

(शेष पृष्ठ 5 पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है?
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

'स्पीकर के अयोग्यता नोटिस विवाद में तीन सप्ताह में जवाब दे केन्द्र सरकार'

जयपुर, 24 जुलाई (का.सं.)। विधानसभा स्पीकर डॉ. सी.पी. जोशी द्वारा पायलट गुट के 18 विधायकों को दिए गए नोटिस से सम्बंधित मामलों पर राजस्थान हाईकोर्ट में आज सुनवाई हुई। गौरतलब है कि स्पीकर ने सभी विधायकों को 7 दिनों में नोटिस का जवाब देने को कहा था कि उन्हें विधानसभा की सदस्यता के अयोग्य क्यों ना घोषित किया जाए? विधायकों ने इस मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी जिस पर हाईकोर्ट ने नोटिस पर अंतरिम रोक लगा दी। इस रोक के खिलाफ स्पीकर ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी जो अभी भी लम्बित है। जैसा कि विदित है कि वर्तमान मामले में स्पीकर द्वारा विधायकों को नोटिस दिए जाने से सम्बंधित प्रक्रिया के कानून

- राजस्थान हाई कोर्ट ने सचिन पायलट गुट के विधायकों के मामले में स्पीकर के अयोग्यता नोटिस विवाद में केन्द्र सरकार द्वारा तीन साल में भी जवाब नहीं देने पर आश्चर्य जताया और पुनः नोटिस जारी किया।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

एन.डी.ए. के घटक दलों से ''क्लस्टर'' मीटिंग करेंगे प्र.मंत्री मोदी

मीटिंग्स की शुरूआत 31 जुलाई से होगी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जुलाई। विपक्ष के एकता प्रयासों का मुकाबला करने के लिए भाजपा ने 18 जुलाई को एन.डी.ए. की समानांतर बैठक बुलाई और अब भाजपा अगले स्तर पर पहुंच गई है जहां पार्टी एन.डी.ए. सांसदों से ''क्लस्टर मीटिंग्स'' बैठक करेगी। इन बैठकों के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ रात्रिभोज होगा।

आमतौर पर गठबंधन धर्म का पालन न करने का आरोप झेलती भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले इस छवि को धोना चाहती है।

समूहों की बैठकें 31 जुलाई से आरंभ होगी जब उत्तर प्रदेश (ब्रज-कानपुर-बुंदेलखंड), पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा के सांसदों को प्रधानमंत्री के साथ बैठक के लिए बुलाया गया है। पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और केन्द्रिय मंत्री नितिन गडकरी पहली बैठक में मौजूद रहेंगे, जबकि दूसरी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह होंगे।

दूसरी बैठक 2 अगस्त को होगी जब उत्तर प्रदेश में काशी-गोरखपुर और अवध के सांसदों को तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, पुडुचेरी, अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप के सांसदों को बुलाया गया है। केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, महेन्द्रनाथ पांडे, प्रहलाद जोशी और वी. मुरलीधरन को इन बैठकों की मेजबानी सौंपी गई है।

बिहार, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के सांसद 3 अगस्त को प्रधानमंत्री से मिलेंगे। राजस्थान, महाराष्ट्र और गोवा के सांसद 8 अगस्त को मिलेंगे। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात-दादरा-नगर हवेली और दमण-दीव के सांसदों को 9 अगस्त को बुलाया गया है। उत्तर पूर्व में भाजपा और एन.डी.ए. के भागीदारों की बैठक की तिथि तय नहीं हुई है।

- ये मीटिंग 9 अगस्त तक चलेंगी। हर दिन अलग-अलग राज्यों के सांसदों के साथ प्रधानमंत्री मोदी मुलाकात करेंगे। इस दौरान प्रमुख केन्द्रीय मंत्री भी उपस्थित रहेंगे।
- मीटिंग्स के समापन पर प्रधानमंत्री मोदी सहयोगी दलों के सभी सांसदों को स्नेह भोज देंगे।

नए वकीलों को स्टाइपैंड देने से सरकार का इन्कार

जयपुर, 24 जुलाई (का.सं.)। प्रदेश में वकीलों के वेलफेयर फंड में अंशदान नहीं देने और नए वकीलों को स्टाइपैंड देने की मांग से जुड़े मामले में राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में जवाब पेश कर युवा वकीलों को स्टाइपैंड देने पर अपनी असहमति जताई है। एडिशनल एडवोकेट जनरल (ए.ए.जी.) आर.पी. सिंह की ओर से पेश जवाब में, विधि विभाग के विशिष्ठ शासन सचिव के पत्र का हवाला देते हुए कहा गया कि, वकीलों को स्टाइपैंड देने के संबंध में वित्त विभाग से सहमति मांगी गई थी, लेकिन वित्त विभाग का कहना है कि मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश व गुजरात में वकीलों को स्टाइपैंड देने का प्रावधान नहीं है, इसलिए यहां पर भी वकीलों को स्टाइपैंड नहीं दे सकते।

- राज्य सरकार ने हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान कहा कि, पड़ौसी राज्यों, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात में वकीलों को स्टाईपैंड नहीं मिलता है, हम भी नहीं देंगे।

ज्ञातव्य है कि, जन घोषणा पत्र 2019-20 के अनुसार अधिवक्ता समुदाय के प्रतिनिधियों से बात करके एडवोकेट्स पेंशन, इंश्योरेंस व स्टाइपैंड के संबंध में राज्य सरकार को बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान जोधपुर से भी कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। अदालत ने राज्य सरकार के जवाब पर प्रार्थी को एक सप्ताह में जवाब देने का मौका देते हुए मामले की सुनवाई एक अगस्त के लिए तय की है। चीफ जस्टिस ए.जी. मसीह व जस्टिस समीर जैन की

(शेष पृष्ठ 5 पर)

कर्नाटक हाई कोर्ट के छः जजों को जान से मारने की धमकी

बैंगलुरु, 24 जुलाई। कर्नाटक हाईकोर्ट के छह जजों को जान से मारने की धमकी दी गई है। दुबई गैंग की तरफ से भेजे गए मैसेज में कहा गया है कि उनकी जान बचने की केवल एक ही सूरत है कि पाकिस्तान के बैंक में 50 लाख रुपये तुरंत जमा करा दिए जाए। फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

- दुबई गैंग की तरफ से भेजे गए वॉट्सऐप मैसेज में कहा गया है कि, जजों की जान बचने की केवल एक ही सूरत है कि, पाकिस्तान के केन्द्रीय बैंक में 50 लाख रुपये तुरंत जमा करा दिए जायें।

हाईकोर्ट के पब्लिक रिलेशन ऑफिसर के मुरलीधर की शिकायत पर बेंगलुरु की साइबर क्राइम पुलिस ने दर्ज

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सरकार सभी राज्यों में अपराधों पर बहस चाहती है केवल मणिपुर पर नहीं

विपक्ष केवल मणिपुर में हिंसा व अपराध पर बहस चाहता है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जुलाई। विपक्षी गठबंधन आई.एन.डी.आई.ए. अर्थात ''इंडिया'' और सत्तारूढ़ एन.डी.ए. के बीच उस बात की लड़ाई गहरा रही ह कि लोगों के दिमाग पर कौन ज्यादा गहरा और स्थायी प्रभाव डालता है। आज महिलाओं के खिलाफ अत्याचारों पर विपक्ष और सरकार के बीच हुई तीखी बहस के बीय संसद के दोनों सदन स्थगित हो गए।

अगले साल आम चुनाव के मैदान में उतरने से पहले दोनों गठबंधन संसद में जोर आजमाइश कर रहे हैं। सत्ता पक्ष पूरी ताकत लगा रहा है कि नवगठित इंडिया गठबंधन को अपने अनुसार मोड़ ले जबकि विपक्षी गठबंधन इस पर मजबूती से कायम है कि वह मणिपुर की स्थिति पर चर्चा का अपना उद्देश्य पूरा करेगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वक्तव्य दिलवाएगा।

एन.डी.ए. प्रधानमंत्री को ऐसे प्रहारों से बचाना चाहता है जिनसे उनके पहले से धूमिल छवि और बिगड़े जबकि इंडिया उनकी छवि को जनता के सामने लाने के लिए कटिबद्ध है। दुविधा को सुलझाने में असफलता के कारण संसद में दोनों पक्षों के बीच गतिरोध उत्पन्न हुआ है।

- इस चाहत की दुविधा में फंसी संसद तथा कार्यवाही दिन भर स्थगित रही।
- विपक्ष का आरोप है कि, एन.डी.ए. नॉर्थ ईस्ट में हिंसा को ''डिफ्यूज़'' (हल्का) करना चाहती है, सभी गैर भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार से जोड़ कर देखने के प्रयास से।
- विपक्ष ने रूल 276 के तहत मामला उठाया संसद में, जिसके अंतर्गत सभी अन्य मामलों पर बहस सस्पैंड करके मणिपुर की स्थिति पर बहस करना चाहता है विपक्ष।
- एन.डी.ए. के सांसदों ने धारा 176 के तहत बहस की मांग रखी है, जिसके अंतर्गत अल्पकालीन बहस ही संभव है।
- विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा में मणिपुर पर बहस के लिए 27 स्थगन प्रस्ताव रखे, वहीं एन.डी.ए. के सांसदों ने मणिपुर के साथ विपक्ष शासित राज्यों, राजस्थान, बिहार, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, केरल में महिलाओं के खिलाफ अपराध पर चर्चा कराने के लिये 11 नोटिस दिए।

विपक्षी पार्टियों में इंडिया के झंडे तले संयुक्त विरोध करने के बाद राज्यसभा में मणिपुर हिंसा पर चर्चा के लिए 27 स्थगन प्रस्ताव दिए। एन.डी.ए. के सांसदों के 11 नोटिस देकर मांग की कि विपक्ष शासित राज्यों में महिलाओं के विरूद्ध अपराधों पर चर्चा की जाए- राजस्थान, बिहार, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और केरल तथा मणिपुर हिंसा पर भी चर्चा की जाए।

इंडिया स्पष्ट रूप से मणिपुर की स्थिति पर अलग से चर्चा करना चाहता है क्योंकि राज्य में 3 मई से जातीय हिंसा जारी है। एन.डी.ए. इस उत्तर पूर्वी राज्य के मामले को हलका करने के लिए विपक्ष शासित राज्यों में महिलाओं के विरूद्ध अपराधों पर चर्चा करना चाहता है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

विचार बिन्दु

ठोकरें केवल धूल ही उड़ाती हैं, फसलें नहीं उगाती। –टैगोर

मणिपुर की घटना शर्मनाक और उस पर हो रही राजनीति भी शर्मनाक

मणिपुर में जिस प्रकार से सेंकडों लोगों की भीड़ ने आदिवासियों की महिलाओं को पुलिस से छुड़ा कर, निर्वस्त्र कर उनकी परेड एवं उनकी देह के साथ दरिंदगी की, उससे पूरा देश शर्मसार हुआ है। इससे पूरी दुनिया में भारत की छवि को धक्का लगा है। यह घटना तो 4 मई 2023 की है किंतु इसका वीडियो अभी हाल ही में वाइरल हुआ है। वीडियो में जिस प्रकार की हैवानियत महिलाओं के शरीर के साथ की गई, उससे मानवता भी शर्मसार हुई है। हमारी प्राचीन एवं समृद्ध सभ्यता जिस पर हम गर्व करते रहे हैं वह भी कलंकित हुई है। जहां नारी की पूजा की बात शास्त्रों में की गई है वहां नारी के साथ इस तरह सार्वजनिक अभद्रता अकल्पनीय है।

मैती समुदाय को अनुसूचित जाति में सम्मिलित कराने हेतु गौहाटी उच्च न्यायालय के आदेश के विरुद्ध 3 मई को एक विशाल मार्च, नागा कुकी आदिवासियों द्वारा आयोजित किया गया। उपरोक्त घटना 4 मई को हुई जिसकी एफ आई आर 18 मई को दर्ज हुई। इस वीडियो के वायरल होने तक राज्य सरकार ने किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की। इन्टरनेट बंद होने के कारण इसके बारे में देश को जानकारी नहीं हुई किन्तु यह असंभव है कि राज्य सरकार एवं भारत सरकार के गृह मंत्री और प्रधानमंत्री को इसकी जानकारी ना हो। पूरी जानकारी होने के बावजूद भी राज्य सरकार, जिस पर महिलाओं की इज्जत की रक्षा करने की जिम्मेदारी है, वही यदि महिलाओं की इज्जत को तार-तार करने में अप्रत्यक्ष रूप से भागीदार हो जाए तो इससे अधिक शर्म की बात किसी भी देश के लिए नहीं हो सकती ।

प्रधानमंत्री जो हर छोटी बड़ी बात पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर देश को संबोधित करते रहे हैं, ने भी मणिपुर की हिंसा, जिसमें 150 के लगभग जाने जा चुकी है, उसके बारे में 78 दिन तक एक शब्द नहीं बोले। प्रधानमंत्री का पहला वक्तव्य मणिपुर पर तब आया, जब माननीय उच्च न्यायालय ने इस प्रकरण का संज्ञान लेते हुए निर्देश दिए कि यदि एक सप्ताह में सरकारों ने कुछ कार्यवाही नहीं की तो उच्चतम न्यायालय स्वयं कुछ कार्रवाई करने हेतु बाध्य होगा। प्रधानमंत्री ने इस घटना पर 78 दिन बाद क्रोध एवं शोक व्यक्त किया, किंतु ऐसा करते समय उन्होंने राजस्थान, छत्तीसगढ़ की घटनाओं को भी मणिपुर से जोड़ते हुए एक प्रकार से इस घटना की गंभीरता को हल्का ही करने का प्रयास किया है। साथ ही इस घड़ी में भी इस विषय पर राजनीति करने से नहीं चूके । मुख्य न्यायाधीश ने स्वत: संज्ञान लेते हुए यह कहा कि इस प्रकार की स्थिति अस्वीकार्य है। जब से उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने इस घटना का संज्ञान लिया है, भाजपा की ट्रॉल सेना ने मुख्य न्यायाधीश के अपशब्दों के प्रति की झड़ी लगा दी है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री का बयान तो अत्यंत दुखद और आश्चर्यजनक है । उन्होंने कहा कि यहां तो सैंकड़ों ऐसी घटनाएँ हुई हैं, एक घटना के पीछे क्यों पड़े हैं? मणिपुर के राज्यपाल ने सार्वजनिक वक्तव्य में यह कहा कि मणिपुर में स्थिति बेकाबू होने की जानकारी उन्होंने समय पर ऊपर तक, अर्थात गृह मंत्रालय एवं प्रधानमंत्री तक, पहुंचा दी थी। इस घटना को दबाए रखना एवं इस पर कोई कार्यवाही ना करना राज्य द्वारा इस घटना के प्रति मौन सहमति ही माना जाएगा।

इसके बावजूद भी अभी तक राज्य सरकार को बर्खास्त नहीं किया गया है । मणिपुर में इस समय जो स्थितियां हैं वह गृह युद्ध की तरह हैं। जहां राज्य के पुलिस भी हिंसा में एक पक्ष के रूप में कार्य कर रही है। यदि ऐसा नहीं होता तो जिस प्रकार महिलाओं को पुलिस के कब्जे से छुड़ा लिया गया और पुलिस द्वारा उन्हें बचाने के लिए बल प्रयोग तक न करना क्या कहा जाएगा? यह कैसी विडंबना है कि ऐसी जघन्य घटना की अन्य घटनाओं से तुलना कर इसे हल्का किया जा रहा है। कई लोग तो इसका औचित्य ढूंढने का प्रयास भी कर रहे हैं। दलों की राजनीति अपनी जगह है किंतु क्या महिलाओं की इज्जत राजनीति के बलि चढ़ा दी जाएगी? अपराध अन्य राज्यों में भी हुए, हैं किंतु राज्य की पुलिस के समक्ष सैकड़ों लोगों के सामने इस प्रकार का वीभत्स व्यावहार महिलाओं के साथ किया जाए, वह अक्षम्य है।

प्रधानमंत्री जी कई बार यह कह चुके हैं कि उनके लिए सर्वोपरि राष्ट्र है उसके बाद दल एवं उसके बाद व्यक्ति। इस प्रकार की आदर्श बात करने वाले प्रधानमंत्री द्वारा केवल दलगत राजनीति के कारण कुछ ठोस कार्यवाही न करना विडंबना ही कहा जाएगा। जिस समय मणिपुर जातिगत हिंसा की आग में झुलस रहा था, प्रधानमंत्री ने मणिपुर का दौरा करने और मणिपुर के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करने के स्थान पर अपने लिए फ्रांस में सम्मान प्राप्त करना और अमेरिका में अप्रवासी भारतीयों के समारोहों में सम्मिलित होना अधिक उपयुक्त माना।

मणिपुर के मुख्यमंत्री का बयान तो अत्यंत दुखद और आश्चर्यजनक है । उन्होंने कहा कि यहां तो सैंकड़ों ऐसी घटनाएँ हुई हैं, एक घटना के पीछे क्यों पड़े हैं? मणिपुर के राज्यपाल ने सार्वजनिक वक्तव्य में यह कहा कि मणिपुर में स्थिति बेकाबू होने की जानकारी उन्होंने समय पर ऊपर तक, अर्थात गृह मंत्रालय एवं प्रधानमंत्री तक, पहुंचा दी थी।

भारतीय जनता पार्टी की ट्रॉलआर्मी निरंतर सोशल मीडिया के माध्यम से यह बताने का प्रयास कर रही है कि कैसे मणिपुर में ईसाइयों का प्रभुत्व बढ़ता जा रहा है एवं हिंदुओं की स्थिति कमजोर होती जा रही है। क्या इस प्रकार से महिलाओं को बेइज्जत करके ईसाइयों की बढ़ती आबादी का दुष्परिणाम कुछ महिलाओं को भोगना पड़ेगा? वे अपने सोशल मीडिया की पोस्ट के माध्यम से इस आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा बता रहे हैं। यह समय ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में जाने का नहीं है । अभी तो इस प्रदेश की महिलाओं की गरिमा का प्रश्न है। ऐसी सरकार को शासन में रहने का हक नहीं है जो इस प्रकार की घटनाओं का औचित्य ढूंढने का प्रयास करें ।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी सार्वजनिक रूप से कई बार गरीब आदिवासी जनता के प्रताड़ित होने की बात करती रहे हैं और इस बारे में उन्होंने उच्चतम न्यायालय तक को आगाह किया है। इस घटना के सम्बन्ध में उनका मौन समझ से परे है।

एक और जहां भारत को विश्व गुरु बताने और बनाने की बात की जा रही है, वहीं इस प्रकार की घटनाएं हमें शर्मिंदगी से भर देती हैं। इक्का दुक्का घटना कहीं पर होना अलग बात है। उनमें लिप्त अपराधियों को कार्रवाई करके सजा दी जा सकती है, किंतु इस प्रकार की सार्वजनिक रूप से होने वाली घटना का संज्ञान भी सरकारों द्वारा 2 माह तक नहीं लिया जाना किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। उन आदिवासी पिता और पुत्र पर क्या बीती होगी जिन्हें अपनी बेटी और बहन की इज़्ज़त बचाने के प्रयास के कारण भीड़ ने पुलिस के समक्ष गोली मार दी।

3 मई से चल रही विभिन्न हिंसक घटनाओं में पुलिस से विभिन्न प्रकार के हथियार छीन लिए गए हैं। इन्हीं हथियारों का उपयोग एक दूसरे समुदाय के विरुद्ध किया जा रहा है। इस प्रकार के चुने गए हथियारों में, न केवल राइफल एवं अन्य हथियार हैं अपितु एल एम जी तक हैं। इन्हें ज़ब्त करने का अभियान अभी तक नहीं चलाया गया है।

यह सही है कि मैती और कुकी आदिवासियों में विवाद और संघर्ष बहुत पुराना है । राज्य प्रशासन में लोग दोनों समुदाय से हैं किन्तु वर्चस्व मैती लोगों का है। प्रशासन चाहे वह भारत सरकार का हो अथवा राज्य सरकार का, उनमें कार्यरत अधिकारी किसी भी जाति या धर्म के क्यों ना हो, उनका प्रथम दायित्व संविधान के प्रति ही होना चाहिए । उनका कर्तव्य है कि वह सभी नागरिकों को समान दृष्टि से देखते हुए उनकी गरिमा की रक्षा करें। आदिवासी महिलाओं के साथ जो हुआ वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है किन्तु वह पुलिस की उपस्थिति में हुआ, उससे अधिकारियों की मिलीभगत का संदेह तो होता ही है। इन अधिकारियों ने अपना कर्तव्य नहीं निभाने के साथ ही इंसानियत भी ताक पर रख दी ।जिस जाति या धर्म के अधिकारी प्रशासन में अधिक होंगे क्या वे केवल अन्य जाति और धर्म के लोगों का दमन करने का ही कार्य करेंगे ? जर्मनी में हिटलर की नाजी सेना ने यहूदियों के साथ कुछ इसी तरह का व्यवहार किया था जैसा कुकीज आदिवासियों के साथ हुआ। जब जनता के एक वर्ग के प्रति दुर्व्यवहार और प्रताड़ना को प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से राजकीय संरक्षण प्राप्त हो जाए तो स्थिति किसी भी हद तक गिर सकती है, हमने मणिपुर के प्रकरण में देखा है।

अब जबकि उच्चतम न्यायालय ने इसका संज्ञान लिया है तो यह अपेक्षा की जा सकती है न्यायालय, इंटेलिजेंस ब्यूरो और राज्य के इंटेलिजेंस विभाग से पूरी घटनाओं की पृष्ठभूमि की जानकारी लेगा और इसके लिए जिम्मेदार पाए गए अधिकारियों को तत्काल पद से मुक्त करने के लिए निर्देश जारी करेगा। साथ ही ऐसे अक्षम मुख्यमंत्री को तत्काल बर्खास्त करने के निर्देश भी जारी किए जाएंगे। यदि उच्चतम न्यायालय ने भी कोई प्रभावी कार्यवाई नहीं की तो जनता का भरोसा जो उच्चतम न्यायालय में बना हुआ है, वह ध्वस्त हो जाएगा ।

भारत सरकार मणिपुर के निवासियों की वास्तव में चिंता करती है और उनकी समस्याओं को सुलझाने के प्रति संवेदनशील है, इसका प्रमाण तो आने वाले भारत सरकार के कदमों से ही तय होगा। यदि कुछ नहीं किया गया और उच्चतम न्यायालय भी सरकार को समुचित कार्यवाही करने हेतु बाध्य नहीं कर पाया तो फिर मणिपुर तथा अन्य पूर्वोत्तर राज्यों की स्थिति क्या होगी, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। हम नागरिक के रूप में इस समय मणिपुर के निवासियों के साथ अपनी पूरी एकजुटता प्रदर्शित करते हुए सरकार से यही मांग करते हैं कि वह अब तक हुए अन्याय को दूर करने के लिए अत्यंत कठोर कदम उठाए जिससे सभी समुदाय के लोगों में विश्वास बने। जिन राजनेताओं द्वारा मणिपुर की हिंसा की तुलना अन्य राज्यों की घटनाओं से की जा रही है वह दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि मणिपुर में लगभग 3 माह से हत्या, बलात्कार आदि की घटनाएं जारी हैं जैसा कि स्वयं मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल तक ने स्वीकार किया है।

भाजपा के इस कथन में सच्चाई हो सकती है कि वीडियो को संसद सत्र के प्रारंभ होने के साथ ही वाईरल करना राजनीति से प्रेरित है। केंद्र सरकार ट्विटर पर कार्रवाई करने की बात कर रही है। यह तो वैसा ही है जैसे संदेश लाने वाले के विरुद्ध कार्रवाई की जाए, किंतु जिस व्यक्ति ने अत्याचार किया है उस पर कोई कार्यवाही ना हो।

आइए, हम सब मिलकर मणिपुर वासियों के प्रति संवेदना के साथ इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़े रहें और उन्हें न्याय दिलाने हेतु दबाव बनाएं, जैसा कि निर्भया कांड के समय हुआ था जब पूरा देश एक साथ उठ खड़ा हुआ था। महिलाओं के साथ इस प्रकार की वीभत्स घटनाओं पर भी नागरिकों का खून नहीं खोलता है तो फिर उनकी रगों में शायद खून नहीं पानी है। केंद्र सरकार से यह भी अपेक्षा है कि बिना तकनीकि कारणों में उलझे, राजनीति से ऊपर उठकर इस पर संसद में तत्काल चर्चा कराए ताकि संसद के सदस्यों की एक आवाज मणिपुर तक पहुंचे कि पूरा देश मणिपुर के लोगों के साथ है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

मतदाता उपभोक्ता नहीं, वह सत्ता में बराबर का भागीदार है

राजेन्द्र जोशी

वैसे तो भारत में वर्ष भर चुनावी मौसम बना रहता है। परन्तु विधानसभा चुनावों के दौरान मतदाता उपभोक्ता का स्थान ले लेते हैं । सरकारें उपभोक्ताओं को बड़े- बड़े वादे करने लगती है और विपक्षी पार्टियां सत्ता में आने के लिए वर्तमान सत्ता पर चुनाव घोषणा पत्र के अनुसार काम नहीं करने का आरोप लगाकर खुद सत्ता में आने का भरसक कोशिश करती है।

जिस प्रकार कम्पनियाँ उपभोक्ताओं को लालच देती है, नीचे छोटे अक्षरों में लिखा होता है शर्तें लागू। उसी प्रकार राजनैतिक पार्टियां भीतर छुपा हुआ एजेंडा भी रखती है। कंपनियां अपने उपभोक्ताओं को जीवन भर लाभ देने का काम नहीं करती बल्कि वह किसी एक प्रोडक्ट पर उस माल की उपलब्धता तक लालच देती है। ठीक उसी प्रकार राजनीतिक पार्टियां कभी कहती है कि लोन माफ कर देंगे, कभी कहती है कि लाडली को स्वाभिमान राशि देंगे, कभी कहती है कि एक साल के लिए चिरंजीवी योजना में शामिल करेंगे। परंतु सरकारें यह भरोसा नहीं देती कि यह योजना स्थाई रहेगी।

राजनैतिक दल चुनाव घोषणा-पत्र में पेट्रोल डीजल के दाम घटानें, यह वादा नहीं करती कि किसी भी कीमत पर सरकार दाम बढ़ने नहीं देगी। जरूरी दैनिक उपयोग में आने वाली वस्तुओं की राशि स्थाई रूप से कम की जाएगी, यह किसी भी पार्टी में लाभ देने की योजना में शामिल नहीं होता। जिस प्रकार उपभोक्ताओं को बड़े लालच दिए जाते हैं, उसी प्रकार राजनैतिक पार्टियां बड़े वादे करके सत्ता के लिए लालायित हैं। जरूरत इस बात की है की आम आवाम को उपभोक्ता ना बनाया जाए, बाजार की वस्तु ना समझा जाए।

मतदाता ही स्थाई है उसको मतदाता के रूप में समझा जाना चाहिए। यहां यह बात विचारणीय है की राजनैतिक पार्टियां अलग-अलग विधानसभा एवं अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग वादे करती है। राष्ट्रीय पार्टियों को चाहिए भारत में क्षेत्रीय उपभोक्ता नहीं बल्कि भारतीय मतदाता समझते हुए समान अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। जरूरी यह भी है कि जिस तरह राजनैतिक पार्टियां जिताऊ उम्मीदवार के लिए सर्वे करवाती है उसी प्रकार चुनाव घोषणा पत्र बनाने से पूर्व घर-घर आवश्यकताओं की जानकारी की जानी चाहिए।

उपभोक्ता की भांति उससे भी अधिक बढ़-चढ़कर ढेरों उपहार देने का वादा राजनैतिक दल कर बैठते है। लोकतंत्र में सता का चरित्र अब एक जैसा होने लगा है। इन दिनो राजस्थान-छतीसगढ-मध्य प्रदेश में दैनिक समाचार पत्रों के फ्रंट पेज पर रोज खातों में राशि डालने सहित अनेक लोक-लुभावन लालच देकर चुनावी शंखनाद हो चुका है। राजनीतिक पार्टियां अपने कार्यकर्ताओं को यह भरोसा दिला रही है कि हम सितंबर तक उम्मीदवारों के नाम तय कर देंगे, एक भी राजनैतिक दल यह बताने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही कि हम चुनाव घोषणा पत्र अगस्त-सितंबर सितंबर में जारी कर देंगे, जिस तरह लोकलुभावन घोषणाएं समाचार पत्रों में की जा रही है, राजनीतिक दलों को चाहिए कि वह अपने घोषणा पत्र भी चार माह पूर्व इसी प्रकार समाचार पत्रों में प्रकाशित करवाएं। मतदाताओं को बाजारू वस्तु समझते हुए उपभोक्ता ना बनाया जाए, उसे मतदाता ही रहने दिया जाए। मतदाता सत्ता में बराबर भागीदार है।

लेखक हिन्दी-राजस्थानी भाषा के वरिष्ठ साहित्यकार है।

–राजेन्द्र जोशी,
कवि-कथाकार

बी.पी.एल. परिवार के तीन बच्चों को एक बार भी नहीं मिली छात्रवृत्ति

- चूरू के रिड़खला गांव का है बीपीएल परिवार
- साढ़े चार साल में एक बार भी नहीं मिली छात्रवृत्ति, हर वर्ष आवेदन पत्र भी भरे जाते हैं

चूरू, (कासं)। निकटवर्ती गांव रिड़खला के एक बीपीएल परिवार के तीन बच्चों में से आज तक एक को भी छात्रवृति नहीं मिली है। जबकि उनके हर वर्ष आवेदन पत्र भी भरे जाते हैं। आज यहां रीको कार्यालय के पास स्थित ग्रामीण बैंक में अपनी पुत्री सुनिता का खाता खुलवाने के लिए आई मैना देवी पत्नी महेन्द्र कुमार ने बताया कि सुनिता कक्षा 6 में राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय रिड़खला में पढ़ती है।

गुरुजी ने आज का आज खाता खुलवाने के लिए कहा है। बैंक वाले कह रहे हैं कि 10 वर्ष उम्र होने के बाद ही सुनिता का खाता खुलेगा। संयुक्त खाता खुलवाने के एक हजार रुपए मांग रहे हैं। सुनिता का छात्रवृति के लिए आवेदन करना है। उसके खाते में ही आएगी बताते हैं।

मैना देवी ने बताया कि उनका परिवार बीपीएल की श्रेणी में है। उसके तीन लड़के 12वीं, 9वीं और 8वीं कक्षा में पढ़ते हैं। किसी को भी आज तक एक रुपए की छात्रवृति नहीं मिली है। सबका बैंक में खाता भी है। खाते में रुपए आज तक नहीं आए हैं। अब सुनिता का फार्म भरकर और देख लेते हैं। कुल मिलाकर रिड़खला गांव में इस बीपीएल परिवार के बच्चों को छात्रवृत्ति नहीं मिलना सरकार और यहां बड़े-बड़े दावे करने वाले अधिकारियों की सतर्कता की पोल खुलकर सामने आ गई है। उन्होंने बताया कि कोई कारण भी नहीं बता रहे हैं।

सब कागजात एकदम सही है। आज भी बैंक में खाता नहीं खुल पाया और समय और रुपए का नुकसान हो गया। खेत में निनाण छोड़कर यहां बैंक में आई थी। इस संबंध में प्रशासन की चुप्पी से लगता है कि उन्होंने गहलोत सरकार के विदाई समारोह की तैयारी शुरू कर दी है।

बिना लोको पायलट चल पड़ा मालगाड़ी का इंजन

सूरतगढ़, (निसं)। सुपर थर्मल पावर प्लांट में रविवार को 1500 मेगावाट की सब क्रिटिकल थर्मल परियोजना में कोल रैक लेने आया एक लोको (रेल इंजन) बिना पायलट के ही करीब दो किलोमीटर से ज्यादा दौड़ते हुए 1320 मेगावाट की सुपरक्रिटिकल तापीय परियोजना में पहुंच गया। गनीमत रही कि इस दौरान कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार परियोजना के वैगन टिपलर नंबर 3 से खाली कोल रैक लेने आए सूरतगढ़ थर्मल के इंजन को खड़ा कर लोको पायलट और पॉइंटमैन आसपास कहीं चले गए। इसी दौरान इंजन अपने आप चलने लगा। कुछ समय बाद लोको पायलट और पॉइंटमैन के आने पर उन्होंने इंजिन को दूर जाते देखा। इस संबंध में अधिकारियों को सूचित किया तब तक रेलवे इंजन करीब 2 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय कर चुका था। जिसके बाद सुपरक्रिटिकल परियोजना के लोको पायलट ने सूचना के बाद इस चलते इंजन में चढ़कर उसे रोका।

इस मामले को लेकर बिजली उत्पादन इंटक के प्रदेश महामंत्री श्याम सुंदर शर्मा ने इस घटना को एक गंभीर लापरवाही बताया।

अध्यापकों की कमी से नाराज ग्रामीणों ने स्कूल गेट पर ताला लगाया

ग्रामीणों ने ताला लगाकर प्रदर्शन किया और धरना भी दिया

- सूचना पर उप सरपंच मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से समझाइश की
- जमकर की नारेबाजी, लंबे समय से टीचर के 4 पद खाली है

टोंक, (निसं)। दूनी तहसील के खरोई गांव के स्कूल में अध्यापकों की कमी से नाराज ग्रामीणों ने सोमवार सुबह स्कूल के ताला लगा दिया। ग्रामीणों ने राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल के गेट पर ताला लगाकर प्रदर्शन किया। इस दौरान करीब आधा घंटा तक धरना भी दिया। सूचना मिलने पर उप सरपंच मौके पर पहुंचे और हेड मास्टर के साथ मिलकर ग्रामीणों से समझाइश की। डेढ़ घंटे बाद ग्रामीणों ने स्कूल का ताला खोल दिया।

जानकारी के अनुसार राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल में 8 शिक्षकों के मुकाबले 4 शिक्षक नियुक्त हैं। शिक्षकों की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई काफी बाधित हो रही है। इसको लेकर ग्रामीणों ने भी सरकार से लेकर प्रशासन को अवगत कराया, लेकिन अभी तक भी टीचर नहीं लगे। इससे परेशान होकर ग्रामीणों ने सोमवार सुबह करीब 7.30 बजे स्कूल पर ताला लगा दिया और जमकर नारेबाजी की। इसके बाद ग्रामीण धरने पर बैठ गए। जानकारी मिलने पर उप सरपंच प्रधान लाल मीणा भी मौके पर पहुंचे और हेड मास्टर मुकेश पारीक के साथ मिलकर ग्रामीणों से समझाइश की। उप सरपंच ने बताया कि जल्द ही शिक्षक लगाने का पूरा प्रयास किया जाएगा। इससे संतुष्ट होने पर ग्रामीणों ने स्कूल के गेट से करीब नौ बजे ताला खोल दिया।

ग्रामीण भारत में शिक्षा की अलख जगा रहा अंत्योदय फाउण्डेशन

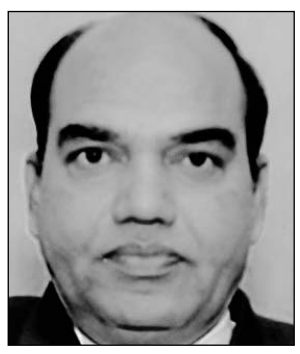

पन्नालाल मेघवाल

स्वयं का दर्द महसूस करना जीवित होने का प्रमाण है। दूसरों का दु:ख महसूस करना इंसान होने का प्रमाण है। इस युक्ति को चरितार्थ करते भादसोड़ा, चित्तौड़गढ, राजस्थान के मूल निवासी एवं पूर्व मुख्य सचिव, राजस्थान पद्मश्री मीठालाल जी मेहता के अनुज श्री महेंद्र मेहता, हाल मुकाम मुंबई ने आईआईटी, दिल्ली से इंजीनियरिंग की। एक वर्ष तक अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजीनियर पद पर कार्य किया। अग्रज मीठालालजी मेहता और पिताजी मोतीलालजी मेहता के सामाजिक विचारों और कार्यों से प्रभावित होकर समाज सेवा और देश सेवा का जज्बा लेकर पुन: स्वदेश लौटे। यहां आकर आईटी सेक्टर में अपना खुद का व्यवसाय प्रारंभ किया। समाज सेवा की शुरुआत करते हुए वर्ष 2019 में अंत्योदय फाउंडेशन नाम से संस्था बनाई। आरंभ में खिलौना बैंक योजना की शुरुआत की।

खिलौना बालक की पहली पुस्तक होता है, जिससे वह उसके रंग, रूप, आकर, गति, आकृति आदि की समझ बनाता है। संस्था ने देश के एक हजार एक सौ से अधिक विभिन्न सरकारी विद्यालयों में खिलौना बैंक स्थापित किए। इन विद्यालयों में कुछ शैक्षिक, सह शैक्षिक खिलौने जिसमें अल्फाबेट मैगनेटिक बोर्ड, मैथ बिल्डर, पार्ट्स ऑफ बॉडी, इंटेली किड्स, एनिमल जिग्सा पजल, टेनिस बॉल, नेलकर, नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा पुस्तिकाएं, एनएमएमएस परीक्षा तैयारी पुस्तिकाएं इत्यादि सेट नि:शुल्क उपलब्ध कराकर अनुकरणीय कार्य किया। परिणाम स्वरुप बच्चे अपना मानसिक और शारीरिक विकास कर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़कर एक सुनहरे भारत के निर्माण हेतु आगे बढ़ रहे हैं।

अंत्योदय फाउंडेशन के संस्थापक श्री महेंद्र मेहता ने सामाजिक कार्य करते हुए जब विभिन्न गांवों के बच्चों को तंग कपड़ों और फटे हाल देखा तो उनका दर्द महसूस करते हुए अपने सीए मित्र श्री संजय बोर्डिया के साथ मिलकर मुंबई में एक कपड़ा बैंक की स्थापना की। संस्था के कार्यकर्ताओं ने मुंबई के अलग-अलग हिस्सों से नए-पुराने कपड़े एकत्रित किए। संस्था ने अब तक सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं और जरुरतमंद लोगों को लगभग पांच लाख कपड़े उपलब्ध कराकर सराहनीय मानव सेवा की है। फाउंडेशन के संस्थापक ने समाज सेवा कार्य के दौरान महसूस किया कि अक्सर विद्यालयों में अध्यापकों की कमी है। ग्रामीण बच्चे तकनीकी से कोसों दूर हैं। उन्होंने पुत्र श्री अंकित मेहता के साथ मिलकर स्मार्ट क्लास रूम खोलने की योजना बनाई। उन्होंने अंत्योदय फाउंडेशन के तहत देश के 80 सरकारी विद्यालयों में स्मार्ट क्लास रूम स्थापित किए। इन विद्यालयों में स्मार्ट एलईडी सेट, प्रोजेक्टर, साउंड सिस्टम सुलभ करवाए। जिससे ग्रामीण बच्चों ने तकनीकी से जुड़कर ऑनलाइन कंटेन से अपना सेलेबस पढ़कर एक बेहतर भविष्य का निर्माण किया।

अंत्योदय फाउंडेशन द्वारा ग्रामीण व सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा तथा एनएमएमएस परीक्षा की तैयारी हेतु प्रेरित कर नि:शुल्क कोचिंग क्लास के माध्यम से बच्चों को बेहतर शिक्षा हेतु तैयार किया जा रहा है। अब तक इन कक्षाओं के माध्यम से 190 छात्र-छात्राओं का एनएमएमएस परीक्षा में चयन हुआ है।

फाउंडेशन द्वारा पढ़ाई छोड़ चुकी बालिकाओं और महिलाओं को संबल देने के क्रम में नि:शुल्क कोचिंग क्लास और नि:शुल्क सिलाई केंद्र स्थापित कर इनके हुनर को निखारने का अनुकरणीय कार्य किया जा रहा है। अंत्योदय फाउंडेशन द्वारा स्कूली दिव्यांग छात्र-छात्राओं को व्हीलचेयर एवं गावों के बुजुर्ग महिला-पुरूष जो चलने में अक्षम है, उन्हें वाकिंग स्टिक्स और वॉकर भेंट कर सहारा दिया जा रहा है। फाउंडेशन के संस्थापक श्री महेंद्र मेहता और टीम के सदस्य श्री संजय बोर्डिया, श्री सुरेंद्र लावटी, श्रीमती रीना बोर्डिया एवं श्री प्रह्लाद कुलकर्णी आज के भौतिक और सीमित सोच रखने वाले समाज में असहाय और साधनों से वंचित लोगों के लिए आशा की किरण बनकर काम कर रहे हैं। समाज के कमजोर पक्ष को सुदृढ़ कर उनके समुचित विकास के लिए तन-मन- धन से पूर्णत: समर्पित हैं। समाज का अभिजात्य वर्ग अगर इसी तरह अंत्योदय की भावना से काम करे तो भारत को सोने की चिड़िया बनते देर नहीं लगेगी। अंत्योदय फाउंडेशन का काम इस बात का उदाहरण है कि कैसे करुणा और समर्पण समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। इस दृष्टि से अंत्योदय फाउंडेशन अपने नाम को चरितार्थ करते हुए सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे संतु निरामया के वैदिक दर्शन को अमल में लाने का प्रशंसनीय कार्य किया है।

–पन्नालाल मेघवाल, वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार

राशिफल मंगलवार 25 जुलाई, 2023

पंडित अनिल शर्मा

प्र. सावन मास (अधिक), शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2080, चित्रा नक्षत्र रात्रि 12:03 तक, सिद्ध योग दिन 3:01 तक, वणिज करण दिन 3:09 तक, चन्द्रमा आज दिन 11:13 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-सिंह, बुध-सिंह, गुरू-मेष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज द्विपुष्कर योग और राजयोग सूर्योदय से दिन 3:09 तक है। आज भद्रा दिन 3:09 से रात्रि 3:31 तक है। आज मंगला गौरी पूजा है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:12 से 10:53 तक, लाभ-अमृत 10:53 से 2:14 तक, शुभ 3:54 से 5:35 तक।

राहूकाल: 3:10 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:51, सूर्यास्त 7:15

मेष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी और व्यावसायिक व्यक्तिगत खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मिथुन
परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कर्क
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

वृश्चिक
धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

मीन
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

नही सहेगा राजस्थान अभियान को लेकर भाजपाईयों की ली बैठक

करौली । करौली विधानसभा क्षेत्र भाजपा की नहीं सहेगा राजस्थान को लेकर विधानसभा करौली हुई बैठक मे आगामी विधानसभा चुनाव पर कि गई चर्चा।

भाजपा करौली विधानसभा क्षेत्र की विधानसभा प्रभारी जमुनालाल वैष्णव ने नहीं सहेगा राजस्थान अभियान के तहत करौली विधानसभा क्षेत्र के मंडलों की एक दिवसीय विशेष प्रवास कार्यक्रम के तहत करौली विधानसभा के प्रवास पर रहे। सर्वप्रथम भारत माता की चित्रपट वंदे मातरम से कार्यक्रम की शुरुआत की गई- जिसमें करौली विधानसभा संयोजक धीरेंद्र सिंह बैंसला, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रहलाद सिंघल, करौली-विधानसभा विस्तारक सतीश शर्मा, जमुना लाल शर्मा ने बैठक मे नहीं सहेगा राजस्थान कैंपेनिंग को लेकर करौली विधानसभा की मंडल वार चर्चा की, साथ ही आगामी 1 अगस्त को जयपुर चलो अभियान मे

- **राजस्थान में महिलाएं सुरक्षित नहीं है : प्रहलाद सिंघल**

प्रत्येक शक्ति केंद्र से एक बस के लक्ष्य पर विस्तृत चर्चा हुई साथ ही विधानसभा मंडल वार राजनीतिक स्थितियों को लेकर सभी से विचार विमर्श किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व जिला अध्यक्ष प्रहलाद सिंघल ने प्रदेश सरकार पर हमला बोला, और कहा कि राजस्थान में महिलाएं सुरक्षित नहीं है आए दिन महिलाओं के साथ अत्याचार हो रहा है खुद मुख्यमंत्रीजी के ग्रहजिले में महिलाएं सुरक्षित नहीं है एक मंत्री को सिर्फ महिला सुरक्षा पर बोलने के कारण बर्खास्त कर दिया गया। गहलोत सरकार की मानसिकता ये दर्शाती है कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए कितनी संवेदनशील है । राजस्थान में पेपरलीक हो रहें हैं युवाओं का भविष्य इस निकम्मी सरकार ने अंधकारमय कर दिया भ्रष्टाचार चरम पर है. बिना कमीशन के कोई काम नहीं होता, करौली- विधानसभा में नगर परिषदों-नगर पालीकाओ में सफाई एवं लाइट की स्थिति बद से बदतर है। करौली विधानसभा क्षेत्र की जनता से अपील करता हूँ कि इस भ्रष्ट और निकम्मी सरकार को उखाड़ फेंकने में भारतीय जनता पार्टी की मदद करें । जिससे राजस्थान में सुशासन आ सके इस मौके पर करौली विधानसभा संयोजक धीरेंद्र बैसला,विधानसभा विस्तारक मनीष शर्मा कांग्रेस सरकार की साढे चार साल के कार्यो को लेकर नहीं सहेगा राजस्थान यह कार्यक्रम प्रत्येक मंडल स्तरों एवं बूथ स्तरों पर भी चलाया जाएगा यह कार्यक्रम राधेश्याम मैरिज गार्डन होली खिडकियों पर आयोजित किया गया।

फसल बीमा योजना की सूचना जारी

करौली। कृषि विभाग के उपनिदेशक बी.डी शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में खरीफ 2023 की अधिसूचना जारी हो गई है।

जिले में योजना के क्रियान्वयन के लिए रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड कम्पनी को (18001024088) अधिकृत किया गया है। फसल बीमा करवाने अंतिम तिथि 31 जुलाई 2023 निर्धारित की गई है।

कम्पनी के लिए जिला प्रतिनिधि सुनील कुमार नागरवाल जिनका मोबाईल नम्बर- 8976710283 है, को अधिकृत किया गया है। जिले में खरीफ फसलों के अन्तर्गत बाजरा, तिल व धान को बीमा करवाने के लिए अधिसूचित किया गया है।

ऋणी कृषकों के लिए यह योजना पूर्णत: स्वैच्छिक है, इस योजना से पृथक रहने वाले ऋणी कृषकों को 24 जुलाई तक अपने बैंक में घोषणा पत्र प्रस्तुत करना होगा।

ऐसा नही करने पर उनको योजना में सम्मिलित माना जाएगा।

उपखण्ड अधिकारी ने किया कार्यालयों का औचक निरीक्षण

गंगापुर सिटी । सोमवार को उपखण्ड अधिकारी नरेन्द्र कुमार मीना ने प्रात: 9:3० से 1०:०० बजे के दौरान उपखण्ड स्तरीय कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान कार्यालय अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग के कुल 18 कार्मिकों में से ०9 कार्मिक अनुपस्थित, सहायक अभियंता पीएचईडी, गंगापुर सिटी के कुल 8 कार्मिकों में से ०2 कार्मिक अनुपस्थित, कार्यालय विकास अधिकारी, गंगापुर सिटी के कुल 18 कार्मिकों में से ०7 कार्मिक अनुपस्थित, कार्यालय एनएचएम में कुल ०4 कार्मिकों में से ०1 कार्मिक अनुपस्थित, कार्यालय डीओएण्डआईटी में कुल ०6 में से ०3 कार्मिक अनुपस्थित, कार्यालय अधिशाषी अभियंता जेवीवीएनएल में कुल 12 में से ०1 कार्मिक अनुपस्थित, कार्यालय कनिष्ठ अभियंता जेवीवीएनएल गंगापुर सिटी में कुल 21 में से ०3 कार्मिक अनुपस्थित,

- **सार्वजनिक निर्माण विभाग के कुल 18 कार्मिकों में से 09 कार्मिक अनुपस्थित**
- **कार्यालय विकास अधिकारी, गंगापुर सिटी के 18 कार्मिकों में से 7 कार्मिक अनुपस्थित मिले**

कार्यालय सहायक अभियंता पीएचईडी ग्रामीण में ०9 में से ०2 कार्मिक अनुपस्थित, कार्यालय सीबीईओ समसा में कुल ०2 में से ०1 कार्मिक अनुपस्थित, कार्यालय सहायक अभियंता जेवीवीएनएल-1 में कुल 22 में से ०2 कार्मिक अनुपस्थित, कार्यालय नगर परिषद्, गंगापुर सिटी में कुल कार्मिक 39 में से ०5 कार्मिक अनुपस्थित, कार्यालय बाल विकास परियोजना अधिकारी में कुल ०5 कार्मिक में से ०3 कार्मिक अनुपस्थित, कार्यालय बीसीएमओ में कुल कार्मिक 14 में से ०3 कार्मिक अनुपस्थित, कार्यालय सहायक अभियंता जेवीवीएनएल एचटीएम में कुल कार्मिक ०6 में से ०2 कार्मिक अनुपस्थित, कार्यालय आरबीएसके कुल कार्मिक ०5 में से ०2 कार्मिक अनुपस्थित, कार्यालय नरेगा में कुल कार्मिक 2० में से कुल ०6 कार्मिक अनुपस्थित, कार्यालय इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में कुल 12 में से ०6 कार्मिक अनुपस्थित मिले।

औचक निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित मिले कार्मिकों के विरूद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी। साथ ही उपखण्डस्तरीय कार्यालयाध्यक्षों को भी निर्देशित किया गया कि अपने-अपने कार्यालय में कार्यरत कार्मिकों को कार्यालय समय पर उपस्थित होने हेतु पाबंद करें ।

मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास 27 को

करौली । जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री 27 जुलाई को मेडिकल कॉलेज का वर्चुअल शिलान्यास करेंगे। उक्त कार्यक्रम कॉलेज परिसर में आयोजित किया जायेगा। जिला कलेक्टर ने इस संबंध मे पेयजल, नेट कनेक्टिविटी,जन प्रतिनिधीगणों की बैठने की व्यवस्था, पीने का पानी, छाया, ट्रैफिक व्यवस्था, साफ सफाई सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाऐं निर्धारित समय सीमा मे करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये है उन्होने बताया कि उक्त समस्त व्यवस्था समस्त अधिकारी समन्वयता से करते हुए पूर्ण करें।जिला कलेक्टर सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार मे आयोजित बैठक मे अधिकारियों को निर्देशित करते हुए बोल रहे थे। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता, अति. जिला कलेक्टर मुरलीधर प्रतिहार, सीईओ ऋषभ मंडल, कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आर.सी मीना, सीएमएचओं डॉ दिनेश मीना, सूचना एंव जनसंपर्क अधिकारी धर्मेन्द्र मीना, पीएमओ डॉ दिनेश गुप्ता सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों को नोटिस जारी

करौली (नि.स.)। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने कहा कि वर्षा के मौसम को दखते हुए राज्य सरकार एवं बजट घोषणा के अनुसार पौधारोपण करने के जो विभाग वार लक्ष्य आवंटित किये गये है उन्हे समय पर पूरा नही करने पर जिला शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये है।

जिला कलेक्टर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा व समन्वय समिति की आयोजित बैठक में समीक्षा कर रहे। उन्होंने कहा कि पौधारोपण के बकाया लक्ष्यों को इस सप्ताह मे पूर्ण करे अन्यथा संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी। उन्होने राजस्थान संपर्क पोर्टल,मुख्यमंत्री कार्यालय, लोकायुक्त कार्यालय सहित अन्य महत्वपूर्ण परिवादों का समय पर निस्तारण कर परिवादी को राहत पहुचानें के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिये। इसके अलावा उन्होने बिजली संबंधी समस्या आये दिन उत्पन्न हो रही है। इस पर विद्युत विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि विद्युत सप्लाई में किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न नहीं हो ।

सूरौठ भाजपा मण्डल के कार्यकर्ताओं ने पैदल यात्रा निकाली

सूरौठ। राज्य की कांठोस सरकार के खिलाफ नहीं सहेगा राजस्थान अभियान के तहत सूरौठ भाजपा मण्डल के कार्यकर्ताओं ने कस्बे में पैदल यात्रा निकाली भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अंकित शर्मा जिला कार्यसमिति सदस्य नत्थू सिंह राजावत

मंडल महामंत्री देवानन्द गुप्ता मंडल अध्यक्ष चरण सिंह सोलंकी ने बताया कि पद मार्च हिण्डौन बयाना स्टेट हाइवे नहर के पास से प्रारंभ होकर बस स्टैंड होते हुए एसबीआई बैंक गली,मैन बाजार , मस्जिद तिराहा,सब्जी मण्डी, सावित्री बाई फुले मार्ग होकर निकाला गया इसके बाद बैठक हुई । इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा गहलोत सरकार के खिलाफ नारेबाजी की पूर्व मण्डल अध्यक्ष कल्याण सिंह ने कहा कि राजस्थान में बहन बेटियों का शोषण हो रहा है वहीं मण्डल अध्यक्ष चरणसिंह सोलंकी ने कहा कि अब महिलाओं और दलितों का अपमान सहन नहीं किया जाएगा इस दौरान जिला मंत्री सतपाल चौधरी एवं महामंत्री देवानन्द गुप्ता व जिलाध्यक्ष अंकित शर्मा ने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड,पेपर लीक से युवाओं की उम्मीदों पर पानी फिरने एवं किसानों से कर्जमाफी के नाम पर कांठोस सरकार द्वारा वादाखिलाफ़ी करने , कांठोस सरकार द्वारा तुष्टीकरण की राजनीति करने की बात कही । इस कार्यक्रम के दौरान जिला कार्यसमिति सदस्य नत्थू सिंह राजावत ,युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अंकित शर्मा ,किसान मोर्चा के जिला महामंत्री वीर सिंह जाटव ,एससी मोर्चा के जिला महामंत्री रतनलाल कोली , मंडल महामंत्री गुलशन जाटव ,केशव देव शर्मा, मंडल उपाध्यक्ष चंद्रभान जाट,युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष देवी सिंह सैनी ,ओबीसी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष बहादुर पटेल, सूरौठ शक्ति केन्द्र संयोजक मुकेश शर्मा,भुकरावली शक्ति केंद्र संयोजक रमेश कोली ,युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष राकेश डागुर, एससी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष राजेश जाटव,बूथ अध्यक्ष रामसिंह जाटव, किशोरी गोड़ आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे। इसी तरह हिण्डौन विधानसभा के गांव तिघरिया में चौपाल का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक सतवीर सिंह तिघरिया ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप प्रदेश उपाध्यक्ष और टोंक सवाईमाधोपुर के सांसद सुखवीर सिंह जौनापुरिया , एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में विधानसभा प्रभारी गोविंद चौधरी , विधानसभा संयोजक ललित शर्मा , प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव रहे। मुख्य अतिथि ने अपने भाषण में कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड ,पेपर लीक से युवा परेशान, तुष्टिकरण की नीति , कांठोस का गुंडाराज , महिलाओं एवं दलितों का अपमान अब नहीं सहेगा राजस्थान। साथ ही सुखबीर जौनापुरिया ने कांठोस सरकार का फैल रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखा और 1 अगस्त को जयपुर में कांठोस सरकार के खिलाफ होने वाले आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में लोगों को पहुंचने का निमंत्रण दिया।

कलश यात्रा धूमधाम से निकली

हिंडौन सिटी। श्रीमद् भागवत कथा की कलश यात्रा फुल वाड़ा गांव में हो करके बड़े धूमधाम के साथ निकाली गई फुलवाड़ा गांव में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन सोमवार से शुरू हुआ जिसकी शोभायात्रा निकाली गई।

श्रीमद् भागवत कथा आयोजक पुष्पेंद्र शर्मा ने बताया कि तिलवाड़ा गांव में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन सावन मास में दिया जा रहा है जिसके श्रीमद् भागवत वाचक आचार्य सतीश चंद्र शास्त्री छतरीपुरा वालों की ओर से किया जा रहा है आचार्य सतीश चंद्र शास्त्री की 1 साल दूसरी श्रीमद् भागवत कथा वाचन की जा रही है आज से फुल वाड़ा गांव में अभी आयोजन किया जा रहा है।

प्रशांत शर्मा ने बताया कि फुल वाड़ा गांव में सभी गांव के पंच पटेल वे महिलाओं ने श्रीमद् भागवत कथा की कलश यात्रा में बढ़ चढ़कर भाग लिया। 108 कलश यात्रा में महिलाओं ने भाग लिया। तहसील युवा अध्यक्ष शुभम तिवारी ने बताया कि फुल वाड़ा गांव में पुष्पेंद्र शर्मा द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है जिसमें गांव के सभी पंच पटेल पूरा सहयोग दे रहे हैं।

हिण्डौन सिटी में मणिपुर की घटना का विरोध

हिंडौन सिटी। मणिपुर में कुकी आदिवासी महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने एवं सामूहिक दुष्कर्म करने की घटना के विरोध में सोमवार को सूरौठ के लोगों ने सूरौठ तहसील कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया इसके पश्चात लोगों ने ऑफिस कानूनगो लक्ष्मी नारायण शर्मा को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर मणिपुर में महिलाओं पर अत्याचार करने वाले अपराधियों को कठोर सजा दिलवाने की मांग की। राजस्थान आदिवासी मीणा महासभा के सूरौठ ब्लॉक अध्यक्ष विश्राम मीणा, प्रदेश सचिव बत्तू मेंबर, पटेल कंचन लाल मीणा, प्रेम पटेल,लट्टे मीणा, हिंडोन देहात ब्लॉक कांठोस कमेटी के प्रवक्ता प्रमोद तिवाड़ी, संपत कटकड़िया, जीएसएस अध्यक्ष प्रेम राज मीणा, बिल्ला पटेल, प्रहलाद मीणा, मोहर सिंह मीणा खिरखिरा, यूथ कांठोस के लोकसभा महासचिव राहुल मीणा, रिंकू मीणा, जय सिंह मीणा, भूपेंद्र कुमार सहित काफी लोग सोमवार को सुबह बूढ़ंदे बाबा मंदिर परिसर में एकत्रित हुए तथा मणिपुर में कुकी आदिवासी महिलाओं को

- **ऑफिस कानूनगो को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर मणिपुर में महिलाओं पर अत्याचार करने वाले अपराधियों को कठोर सजा दिलवाने की मांग की**

निर्वस्त्र कर घुमाने एवं सामूहिक दुष्कर्म की घटना पर आक्रोश जाहिर किया। लोगों ने मणिपुर में महिलाओं के साथ की गई दरिंदगी के वीडियो पर गुस्सा जताया। मंदिर परिसर में बैठक आयोजित करने के बाद सभी लोग तहसील पहुंचे तथा तहसील कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। तहसील में तहसीलदार के नहीं मिलने पर लोगों ने ऑफिस कानूनगो लक्ष्मी नारायण शर्मा को ज्ञापन सौंपा। राष्ट्रपति के नाम सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि मणिपुर में महिलाओं के साथ दरिंदगी करने वाले अपराधियों को कठोर से कठोर सजा मिलनी चाहिए।

'स्वाधीनता दिवस को गरिमामय तरीके से मनाएं'

भरतपुर। स्वाधीनता दिवस 2023 के अवसर पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह को धूमधाम से मनाये जाने के लिए की जाने वाली तैयारियों के संबंध में बैठक जिला कलक्टर लोक बंधु की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गयी। बैठक में जिला कलक्टर ने कहा कि स्वाधीनता दिवस को जिला स्तरीय मुख्य समारोह में स्थानीय पुलिस परेड ठाउण्ड में आयोजित किया जायेगा। उन्होंने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि राष्ट्रीय पर्व स्वाधीनता दिवस के मुख्य समारोह की तैयारियों के सम्बंध में दी गयी जिम्मेदारियों को समय पर पूर्ण करें साथ ही जिम्मेदारियों का निर्वहन अपने स्तर पर करें। उन्होंने कहा कि स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर यूआईटी ऑडीटोरियम में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यालयी छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले कार्यक्रम देश भक्तिपूर्ण एवं गरिमामयी हों, इसका सांस्कृतिक कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति विशेष ध्यान रखें।

भाजपाइयों ने शहर के प्रमुख मार्गों से निकाली रैली

हिंडौन सिटी । भाजपा शहर मंडल के तत्वाधान में नहीं सहेगा राजस्थान अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं ने हिंडौन के विवेकानंद पार्क से राज्य सरकार के विरुद्ध सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ शहर के प्रमुख बाजारों में रैली निकाल कर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने विवेकानंद पार्क मोहन नगर से रैली को शुरू कर शीतला चौराहा, कटरा बाजार, डेंप रोड, नगर परिषद के आगे होकर, चौपड़ सर्किल तक रैली निकाली, रैली में राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर , पोस्टर बैनर लगाकर विरोध जताया। बेटियों का शोषण, महिलाओं का अपमान, दलितों का अपमान, युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड ,पेपर लीक से युवा परेशान, तुष्टीकरण की नीति, बिगडती कानून व्यस्था, किसान विरोधी इस कांठोस का गुंडाराज , भ्रष्टाचार चरम पर है,

प्रदेश की जनता एवम भाजपा मिलकर इस गहलोत सरकार को अबकी बार राजस्थान से उखाड़ फेंकेगी। प्रदेश की भोली जनता का अपमान, नहीं सहेगा राजस्थान।

इस रैली में हिंडौन शहर मंडल अध्यक्ष अनिल गोयल, पूर्व जिलाध्यक्ष हेमेंद्र वशिष्ठ, शिवकुमार सैनी, पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव, जिला उपाध्यक्ष ललित शर्मा, महामंत्री विक्रम पाल सिंह एडवोकेट, राधा मोहन पाठक, कार्यक्रम मंडल संयोजक बबली चतुर्वेदी, विधानसभा विस्तारक चिराग शर्मा, सुरोठ मण्डल अध्यक्ष चरण सिंह सोलंकी, जिला मंत्री सतपाल चौधरी, पूर्व वरिष्ठ कार्यकर्ता रामेश्वर धाकड़, प्रह्लाद शर्मा, सुबोध जैन, ओम प्रकाश गुप्ता, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष अल्लानूर, महिला मोर्चा जिला संयोजक लज्जा रानी अठावाल, पूर्व सभापति गायत्री कोली, नाहर सिंह जाट, पूर्व मंडल अध्यक्ष गिर्राज मित्तल,, मोहन सिनेमा बबलू जाट, मंत्री लाडम सिंह, एससी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह जाटव, मंत्री ज्योति सहारिया, गजेंद्र सिंह सोलंकी, डॉ रेवती लाल कोली, पिंटू सोलंकी, कल्याण सिंह डागुर, जितेंद्र सोलंकी, वीरेंद्र तेवतिया,गणेश कोली, यामीन खान, गोविंद धाकड़ ,डॉ आमिर खान, अतीक खान, अमित पंजाबी, मंजू खैरवाल, वीर सिंह बनकी, प्रेम सिंह जाटव, घनश्याम रेंजर, दीप चन्द कोली,लख्खी राम जाटव, आदि कार्यकर्ताओ ने विरोध प्रदर्शन किया।

देशराज मीणा का किया स्वागत : हिण्डौन प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त महासचिव देशराज मीणा का आज स्थानीय विधायक भरोसी लाल जाटव के आवास पर पंचायत समिति प्रधान विनोद कुमार जाटव के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया किसान कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव राजेश लहकोडिया ने बताया कि आज 24 जुलाई सोमवार को शाम 4 बजे राजस्थान प्रदेश कांठोस कमेटी के नवनियुक्त महासचिव सुरोठ निवासी देशराज मीणा का स्थानीय विधायक भरोसी लाल जाटव के आवास पर पंचायत समिति प्रधान विनोद कुमार के नेतृत्व में माला और साफा पहनाकर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया ।

जांच को लेकर दिया ज्ञापन

बामनवास। स्थानीय विधायक इंदिरा मीणा के गनमैन प्रमोद द्वारा बजरी खनन क्षेत्र नदी के पास खरीदी गई बेशकीमती जमीन को लेकर क्षेत्र में सियासी मुद्दा काफी गर्म हो रहा है। इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग को लेकर लोगों द्वारा सोमवार को उपखंड अधिकारी को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। विधानसभा क्षेत्र में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर रिश्वतखोरी कालाबाजारी दलाली बजरी खनन सम्पत्ति खरीद चारा घोटाला कि जांच को लेकर विपक्षी दल ने राज्य पाल से सत्ता धारी पार्टी के संरक्षण में चल रहे इन गोरख धंधों कि उच्च स्तरीय जांच कि मांग उठाई गई है । विपक्षी दल के भाजपा युवा नेता मनीष बामनवास ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि वर्तमान सरकार में कांग्रेस कि विधायक के गनमैन प्रमोद कुमार पुत्र श्याम लाल निवासी चहल तहसील बयाना जिला भरतपुर के नाम से ग्राम पंचायत निमोद राठोद ग्राम में खसरा 1024. 1033. 1370.1028.1051. कुल रकवा 3.80 हेक्टेयर है जिसकी कीमत लगभग दो से चार करोड़ रूपए के बीच में है इसकी विभागीय जांच कराते हुए वैनामी सम्पत्ति के तहत उचित कार्रवाई होनी चाहिए।

'विद्यार्थियों को निर्वाचन प्रक्रिया जानकारी दे'

भरतपुर । जिला नोडल अधिकारी स्वीप एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद दाताराम एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी रतन कुमार स्वामी की संयुक्त अध्यक्षता में स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला आइकन, जिले के समस्त विशेष शिक्षक, वी.ए.एफ प्रभारी, लीड ई.एल.सी प्रभारी की सोमवार को कलैक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई।

जिला नोडल अधिकारी स्वीप एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दाताराम ने कहा कि गत विधानसभा चुनाव में जिन मतदान केन्द्रों एवं क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत कम रहा वहाँ मतदान प्रतिशत बढाने के विशेष प्रयास किये जायें। उन्होंने कहा कि स्वीप से जुडे समस्त विभाग एवं ई.आर.ओ तथा बूथ स्तर पर गठित बूथ एवेरनेंस ग्रुप, एनजीओ/सीएसओ, राजीविका, आंगनबाडी कार्यकर्ता, सहायिकाओं के माध्यम से निरन्तर स्वीप गतिविधियां आयोजित करवाई जावें तथा मतदाता जागरूकता अभियान के विशेष कार्यक्रम आयोजित कर 1 अक्टूबर को 18 वर्ष की आयु के युवाओं को मतदाता सूची में पंजीयन कराये।

वन विहार को लेकर की चर्चा

गंगापुर सिटी। रविवार को सर्व ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ की एक बैठक वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष श्रीमती सावित्री शर्मा की अध्यक्षता में दोपहर 3 गणेश मेल स्थित उनके निज निवास पर संपन्न हुई। महिला प्रकोष्ठ की महामंत्री सपना शर्मा ने बताया कि 6 अगस्त रविवार को होने वाले ब्राह्मण समाज श्रावण महोत्सव एवं वन विहार समारोह पर बैठक में चर्चा की महोत्सव को सफल बनाने के लिए सभी महिलाओं के सुझाव लिए गए। श्रावण महोत्सव करौली रोड स्थित गोपाल वाटिका मैरिज हॉल पर 6 अगस्त रविवार को दोपहर 1 बजे से बडे धूमधाम से आयोजित किया जावेगा। ब्राह्मण समाज की सभी महिलाओं एवं बालिकाओं एवं बच्चे महोत्सव को सफल बनाने के लिए बैठक में डॉ शैल शास्त्री को संयोजक एवं उनके सहयोग के लिए सैनिक नगर से कोमल पाराशर अंजली दुबे, सालोदा से ममता अमरगढिया, नहर रोड से आरती शर्मा, रेनू ब्यास, मूर्ति मोहल्ला से राधा दिक्षित, अनीता व्यास नरसिंह कॉलोनी एवं वेद कॉलोनी से मीना शर्मा, कल्याण जी मंदिर एवं चूली गेट से सुशीला शर्मा अर्चना शर्मा और नसिया कॉलोनी से अनीता व्यास संध्या शर्मा कुल सह संयोजक बनाया गया है। सांस्कृतिक प्रभारी कल्पना शुक्ला, पारो जैमिनी और पार्वती शर्मा, बबली को बनाया गया है। ब्राह्मण समाज की महिलाएं एवं बालिकाएं महोत्सव में नृत्य एवं डांस की प्रस्तुति देना चाहे वह इन मोबाइल नंबर 9529315157, 89491००529, 876921०768 पर संपर्क कर सकती हैं। बैठक में सविता रानी लाटा सावित्री शर्मा कल्पना शुक्ला सपना शर्मा दादा दीक्षित सुशीला शर्मा अंजली शर्मा पारो जैमिनी पार्वती शर्मा बबली अनीता व्यास कोमल पाराशर मिथिलेश शर्मा आरती शर्मा रमा उपाध्याय ममता अमर गढिया संगीता शर्मा अंजली दुबे निशा शर्मा प्रियंका पाठक और कांता शर्मा मौजूद थी।

सौंपी आर्थिक सहायता राशि : कुछ दिन पहले मोहचा ग्राम के निवासी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता स्व कमलेश जांगिड की मौत हो गई थी। आज भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओ की ओर से पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर ने मोहचा गांव पहुंचकर स्व कमलेश जांगिड की पत्नी संतोष जांगिड को 31००० रूपये की आर्थिक सहायता राशि सौंपी एवं हर संभव मदद करने का वादा किया। पुर्व विधायक मानसिंह गुर्जर ने बताया कि कमलेश जांगिड भारतीय जनता पार्टी के कर्मठ एवं निष्ठावान कार्यकर्ता थे। उनके चले जानें से क्षति हुई है। आज सभी कार्यकर्ताओ की ओर से 31००० रुपये की आर्थिक सहायता राशि सौंपी है। इस अवसर पर पुर्व विधायक मानसिंह गुर्जर के साथ प्रधान प्रतिनिधि रघुनाथ फौजी, धर्मसिंह प्रजापत, रामभरोषी वैष्णव, बनवारी चौहान एवं समस्त कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

जमानत खारिज : फर्जी रूप से पटटा बनवाने के मामले में अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश गंगापुर सिटी ने पुरानी अनाज मण्डी निवासी चांदमल जैन व सुभाष कॉलोनी कोलीपाडा निवासी चौथी लाल की जमानत का आवेदन खारिज कर दिया। अपर लोक अभियोजक मोहसिन खान ने बताया कि परिवादी राजेश कुमार ने कोतवाली थाने में एक मामला दर्ज कराया कि विवादित जायदाद 1979 को अपने पिता व दादी द्वारा गणेश नारायण व पुरूषोत्तम के जरिये रजिस्टर्ड क्रय की थी। आरोपित चांदमल जैन पुत्र जगदीश को वर्ष 1993 में किराए पर दी थी। आरोपी चांदमल तभी से लगातार उक्त दुकान में दुकान करता आ रहा है।

BANASTHALI VIDYAPITH
(Notified Under Section 3 of the UGC Act)
University for women: University with a difference

Engineering Skills Training Centre in Partnership with Bajaj Auto Ltd.

Banasthali Vidyapith, the world's largest fully residential university for women is NAAC 'A++', second highest ranked women's university in the world *having more than 15000 students on its 850-acre campus situated amidst rural setting in Rajasthan, having a distinct educational ideology and offering a variety of programmes from nursery up to doctoral level across a wide spectrum of disciplines to prepare enlightened citizens with strong value-base.*

PROGRAMMES
- Diploma Trainee Engineer
- Graduate Trainee Engineer

BENEFITS
- Placement in reputed companies after completion of programme
- Upto 80% scholarship
- For Women candidates only with hostel accommodation

Special Features
Automation
Robotics
AI
PLC
SCADA
CNC
MATLAB
LabVIEW
Industry 4.0
Manufacturing

ROBOTICS · ARTIFICIAL INTELLIGENCE · AUTOMATION

APPLY NOW

FOR MORE INFO
+91 8306002465
best@banasthali.in

NAAC 'A++' 3.63 | THE WORLD UNIVERSITY RANKINGS 2023 | QS UNIVERSITY RANKINGS ASIA | nirf All India Rank | INDIA TODAY 2nd Rank

Banasthali Vidyapith, Rajasthan- 304022 www.banasthali.org www.facebook.com/banasthali.org

घग्घर नदी में बढ़ते पानी से सूरतगढ़ में आफत आई

पानी से बंधे में आया कटाव, प्रशासन ने रंगमहल गांव को खाली करवाया

सूरतगढ़, (निसं)। उपखण्ड के गांव रंगमहल में देर रात घग्घर नदी के बहाव क्षेत्र का बंधा टूट गया। कुछ ग्रामीणों ने बंधे को पाटने का भी प्रयास किया मगर वे इसमें नाकाम रहे। क्योंकि कटाव बढ़ता ही चला गया। ऐसे में ग्रामीणों ने सरपंच समेत पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को स्थिति की जानकारी दी। इस बीच बाढ़ का पानी गांव की ओर बढ़ना शुरू हो गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे एएसपी सतनाम सिंह, डीएसपी किशन सिंह बिजारणिया, विक्की नागपाल, सिटी सीआई कृष्ण कुमार, एडीएम अरविंद जाखड़ समेत प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों को तुरंत गांव खाली करने के आदेश दिए। साथ ही कटाव को पाटने का काम भी शुरू करवाया।

ग्रामीणों ने बताया कि किसान फूसाराम बाना के खेत और गांव के बीच में करीब दो मुरब्बा भूमि की चौड़ाई में वन विभाग की नर्सरी बनी हुई है। फूसाराम के खेत में पानी के लिए मोघी लगाई हुई थी जो करीब 10 फीट गहरी थी। सबसे पहले इस मोघी में रिसाव हुआ और देखते ही देखते पानी ने बंधे को तोड़ दिया। हालांकि इसे पाटने का भी प्रयास किया, मगर सफलता नहीं मिलने पर फूसाराम ने पड़ोसी खेत के मालिक को आवाज लगाई। जिसके बाद सरपंच समेत गांव के अन्य लोगों को सूचना दी गई। अफरा-तफरी के बीच कुछ लोग सड़क की ओर निकल गए तो कुछ कटाव पाटने के लिए मौके पर आ गए। लेकिन पानी का बहाव तेज होने के कारण सफलता नहीं मिली। ऐसे में गांव और खेत के बीच की दो मुरब्बा भूमि पूरी जलमग्न हो गई। इसके बाद ग्रामीणों ने पूरा जोर गांव की आबादी से सटे बंधे पर लगा दिया जो कि कमजोर और नीचा था। सूचना मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन के अधिकारी पहुंचे और अपने प्रयास शुरू किए। इसके बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने गांव को खाली कराने के लिए मंदिर और वाहन से मुनादी करवाई। फूसाराम के खेत में बने फ्रंट लाइन के बंधे में करीब 150 फिट का कटाव आया था।

किसान पाला राम ताखर ने बताया कि रात को प्रशासन ने 5 जेसीबी उपलब्ध करवाई। जिसके बाद गांव के करीब 25 ट्रैक्टर बंधे पर मिटटी लाने के लिए लगाए गए। यह काम सोमवार दोपहर तक भी जारी रहा। प्रशासन की ओर से करीब 1 हजार सीमेंट के खाली कट्टे उपलब्ध करवाए गए। ग्रामीणों ने मिट्टी भर कर कट्टों को बंधे के किनारे लगाया। ग्राम पंचायत रंगमहल के सरपंच विजय सिंह ताखर ने बताया कि गांव के 40-50 युवाओं ने विपदा में एकजुट होकर बंधे को मजबूत करने में सहयोग किया। गांव के युवा सोनू ताखर (25) पुत्र पालाराम पूरी रात से अपने स्तर पर ट्रैक्टर और स्वयं का डीजल जलाकर बंधा बनाने में जुटा हुआ है।

- कुछ ग्रामीणों ने बंधे को पाटने का भी प्रयास किया, मगर वे इसमें नाकाम रहे

सरपंच विजय सिंह ताखर ने कहा कि सोनू ने सूझबूझ दिखाते हुए रात्रि को ही गांव से सटे बंधे पर एक नया और ऊंचा बंधा बनाने का काम शुरू कर दिया था। पूरी रात से लगातार बिना थके ट्रैक्टर की सीट पर बैठा है। सोनू के पिता पालाराम ने बताया कि उनकी प्राथमिकता गांव और ग्रामीण दोनों को बचाना है। इसके लिए अपनी ओर से वे जितना हो सकेगा करने के लिए तैयार है। गांव को खाली करने की मुनियादी के बाद से रात में ही गांव के 80 फीसदी लोग गांव खाली कर जा चुके थे। शेष यहां कुछ बंधे को मजबूत करने में जुटे थे। कुछ घर में पड़े घरेलू सामान की सार संभाल में लगे रहे। हालांकि सुबह कुछ राहत की खबर सुन ग्रामीण घरों को लौट भी आए। मगर फिर भी अनहोनी की आशंका से सोमवार दोपहर तक भी वाहनों पर अपनी जरूरत का सामान लादकर रवाना होते दिखाई दिए।

किसान शीशपाल (28) पुत्र भजननाथ ने बताया कि रात करीब 10 बजे के आसपास गांव को खाली करने की मुनादी सुनाई देने पर वह और अनेक परिवार गांव छोड़कर जो भी जरूरत का सामान जल्दबाजी में हाथ लगा उसे लेकर रंगमहल से सटे रेतीले धोरे पर स्थित हनुमान मंदिर और इसके आसपास पहुंच गए। यहां जिसे, जहां, जैसी जगह मिली उसने अपना सामान रख लिया। शीशपाल ने बताया कि गांव का वार्ड नंबर 4 तो पूरा ही खाली हो गया। यहां पर तपती दोपहरी में महिलाएं दोपहर का खाना बनाते नजर आई। उनका घरेलू सामान भी खुले आसमान के नीचे यहां वहां पड़ा था। पेड़ों के नीचे पड़ाव डाले बैठे लोगों ने बताया कि प्रशासन ने उनकी कोई सुध नहीं ली है। ना ही उन्हें किसी तरह की मदद उपलब्ध करवाई है। किसी अधिकारी ने उनके पास आकर उन्हें खाने, रहने की व्यवस्था के बारे में नहीं बताया।

सरपंच विजय सिंह ताखर ने कहा कि वे पहले दिन से कहते आ रहे हैं कि गांव को डूबने नहीं देंगे। इसी प्रयास में वे पूरी रात से मौके पर ही हैं। हर संभव सहायता उपलब्ध करवाने के काम में जुटे हुए हैं। सरपंच ने कहा कि फिलहाल हालात विकट जरूर है मगर नियंत्रण में है। बशर्ते पीछे से घग्गर नदी में पानी और ना चढ़े। उन्होंने फ्लड अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि घग्गर नदी का बहाव बीते कई सालों से लगातार संकरा होता जा रहा है। वर्ष 1988 में भी यहां पर बाढ़ के हालात बने थे। तब पड़ोसी गांव बारेकां समूचा डूब गया था। 1995 में भी स्थिति विकट हो चली थी।

इसके बाद इतने सालों बाद इस बार घग्गर नदी में आए पानी ने यह जता दिया है कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ ना करें। घग्घर का जो दशकों पुराना बहाव क्षेत्र था फ्लड अधिकारी उसे बहाल करें। खेतों में बने अवैध बंधे हटाकर इस नदी का पुराना स्वरूप लौटाएं ताकि ऐसी स्थिति से फिर कभी सामना ना करना पड़े। हालांकि इस काम में एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर जुटी रही। फिलहाल सेकंड लेयर के गांव की आबादी के पास बने बंधे को मजबूत करने का काम किया जा रहा है। ताकि पानी गांव में घुसकर घरों को ना नुकसान पहुंचा सके।

फिरौती मामले में रोहित गोदारा गैंग के तीन गुर्गे गिरफ्तार

महिला से 80 लाख की फिरौती मांगी थी, पांच जिलों में काटी फरारी

बीकानेर, (निसं)। 80 लाख रुपए की फिरौती के लिए महिला को धमकाने वाले रोहित गोदारा गैंग के तीन गुर्गों को पुलिस ने दबोच लिया है। इनमें एक फिरौती मांगने वालों में शामिल था, जबकि दो अन्य पुलिस कार्रवाई से बचाने की कोशिश में जुटे थे। बदमाशों ने खुद को रोहित गोदारा गैंग का सदस्य बताया थाए ऐसे में पुलिस ज्यादा सख्ती के साथ इनको दबोच लिया।

जानकारी के अनुसार सत्रह जून को ट्रांसपोर्टर लक्ष्मीनारायण की पत्नी झमकू देवी को धमकी दी गई। उन्हें बताया कि वो रोहित गोदारा गैंग के सदस्य है और हर हाल में अस्सी लाख रुपए की फिरौती दें अन्यथा उनके बच्चों का किडनैप कर लिया जाएगा। झमकू देवी मूल रूप से लूणकरनसर के खारड़ा गांव की रहने वाली है। अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए जयनारायण व्यास कॉलोनी में किराए का मकान लेकर रह रही है। 17 जुलाई की शाम छह बजे तीन युवक झमकू देवी के घर में जबरन घुस गए थे। महिला को डराया और गैंगस्टर रोहित गोदारा से फोन पर बात करवाई। 80 लाख रुपए की फिरौती की मांग की और कहा कि दो दिन में 80 लाख रूपये की व्यवस्था कर लेना नहीं तो तुम्हें व तुम्हारे परिवार को जान से मार देंगे। इस मामले की छानबीन उप निरीक्षक सुषमा को सौंपी गई लेकिन खुद आला अधिकारी इसकी पड़ताल में जुटे रहे।

वृताधिकारी वृत सदर शालिनी बजाज, डीएसटी टीम, साइबर सेल की टीम और जयनारायण व्यास कॉलोनी

- एक फिरौती मांगने वालों में शामिल था, दो अन्य पुलिस कार्रवाई से बचाने की कोशिश में जुटे थे

पुलिस की अलग-अलग टीमों ने दिन रात एक करके धमकी देने वालों का पता लगाया। सीसीटीवी में आये फुटेज के आधार पर मुल्जिमों का रूटचार्ट तैयार किया गया व फुटेज के आधार पर पुलिस ने डाटाबेस तैयार किया। पुलिस की टीमों ने पूर्व में चालानशुदा अपराधियों से पूछताछ की व संदिग्ध व्यक्तियों पर तकनीकी रूप से कार्य किया। संदिग्ध स्थानों पर रेड की गई। पुलिस टीमों ने बीकानेर के अलावा नागौर, नोखा, जोधपुर, जालोर व सिरोही में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने 25 हजार रुपए के इनामी बदमाश जेठूसिंह को डीएसटी टीम ने पकड़ लिया। जयनारायण व्यास कॉलोनी थाने के हेड कॉन्स्टेबल विजय सिंह, साइबर सैल के हैड कॉन्स्टेबल दीपक यादव मय टीम ने सिरोही से बदमाशों को शरण देने व तकनीकी उपकरण मोबाइल व अन्य आइटम उपलब्ध करवाने व शरण देने के आरोप में किशोर सिंह को हिरासत में लिया। पीड़िता के चाचा मनोज कुमार सारस्वत को भी पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसकी भी भूमिका सामने आ रही है।

पुलिस का दावा है कि इस मामले में रोहित गोदारा ने खुद आगे बढ़कर अपने गुर्गों को टारगेट दिया था। वो महिला और उसके पति से लाखों रुपए लेना चाहते थे। गुर्गों को बहुत पहले ये टारगेट दिया गया था लेकिन पुलिस मुस्तैदी के चलते वो कार्रवाई नहीं कर रहे थे। इस बीच उन्हें अधिक आर्थिक लाभ देने की बात कही गई। इस पर रोहित गोदारा के दिए लालच में आकर गुर्गों ने घटना को अंजाम दिया।

घटना को अंजाम देने के बाद स्विफ्ट कार से गांवों के रास्ते से होते हुए घटना में फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर झब्बरसिंह के घर पहुंचे। जहां पर दो दिन रुककर वहां से गांव बूगड़ी के अशोक सिंह से रुपए लेकर ओसियां पहुंच गए। वहां पर दुबारा कार की फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर जोधपुर, पाली, सिरोही होते आबू रोड पहुंच गये। आबू रोड़ कैलाश गेस्ट हाउस में रूक कर आबू रड निवासी किशोर सिंह उर्फ मामू के सहयोग से रुक गए व आगे की वारदात करने की प्लानिंग बना रहे थे। पुलिस ने जेठूसिंह पुत्र भोजुसिंह किशोर पुत्र लालसिंह निवासी आबू रोड जिला सिरोही, मनोज कुमार सारस्वत पुत्र भूराराम को गिरफ्तार किया है। आरोपीयों को शरण देने वालों में सुशील निवासी खारड़, ईश्वर सिंह निवासी साईसर पांचू व अशोक सिंह निवासी गांव बूगड़ी जोधपुर को नामजद किया गया है।

घग्घर नदी में पानी की तेज आवक से अनूपगढ़ प्रशासन सतर्क

अनूपगढ़, (निसं)। क्षेत्र में घग्घर नदी के पानी की आवक गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष अधिक है, घग्घर नदी का पानी आज सुबह 80 जीबी पहुंच चुका है। विधायक संतोष बावरी ने घग्घर नदी के बहाव क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए ग्रामीणों से घग्घर नदी के पानी को लेकर चर्चा की। विधायक संतोष बावरी ने ग्रामीणों को सावधानी बरतने की भी अपील की है। आज सुबह तक घग्घर नदी में पानी की आवक 1000 से 1200 क्यूसेक तक मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि आने वाले 2 दिनों में घग्घर नदी में पानी की आवक बढ़ सकती है। घग्घर नदी में बढ़ते पानी की आवक के मद्देनजर प्रशासन भी सतर्क है।

विधायक संतोष बावरी ने बताया कि गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष का घग्घर नदी में पानी अधिक आ रहा है और उम्मीद जताई जा रही है कि घग्घर नदी का पानी भी भेड़ताल तक जरूर पहुंचेगा। विधायक ने बताया कि आज बहाव क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए ग्रामीणों से अपील की है कि घग्घर नदी में तेज बहाव को देखते हुए सावधानी बरतें और अनावश्यक रूप से बंधे ना लगाए। विधायक ने बताया कि प्रशासन को भी निर्देश दिए हैं कि प्रशासन अलर्ट मोड पर रहे, आपातकालीन स्थिति में प्रशासन सतर्क रहते हुए उचित व्यवस्था करें। विधायक ने बताया कि हालांकि जितना पानी अब घग्घर नदी में चल रहा है उससे किसी भी तरह का जान माल का नुकसान नहीं हो सकता मगर पानी बढ़ने की संभावना प्रबल है।

- दो दिन में और बढ़ सकती है पानी की आवक, विधायक संतोष बावरी ने किया निरीक्षण

मौके पर पहुंचे किसानों ने बताया कि घग्गर नदी का पानी अनूपगढ़ के किसानों के लिए वरदान साबित होता है। उन्होंने बताया कि इससे जमीन काफी उपजाऊ बनती है और इस बार जो घग्घर नदी का पानी आया है वह अधिक मात्रा में है इसलिए किसानों को अधिक पैदा होने की संभावना है।

उपखंड अधिकारी प्रियंका तलानिया ने बताया कि घग्घर नदी में पानी की बढ़ती संभावना के मद्देनजर सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दे दिए गए हैं। प्रशासन की पहली प्राथमिकता रहेगी कि घग्घर नदी के पानी में किसी भी तरह का जान व माल का नुकसान न हो।

फायरिंग मामले में चार गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। प्लानिंग में रास्ता नहीं देने के विवाद में प्रॉपर्टी डीलर पर फायरिंग करने के चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से वारदात में काम मे ली गई दो पिस्टल, कार और बाइक बरामद की है। गिरफ्तार सभी आरोपी कैथून थाना क्षेत्र के निवासी है। इनमें कदीर बाबा व शाहिद हुसैन उर्फ यस पिता पुत्र है। डीएसपी गजेंद्र सिंह ने बताया कि शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अब्दुल कदीर उर्फ बाबा, अजरुदीन उर्फ अल्लू, शाहिद हुसैन उर्फ यस व इरशाद निवासी कैथून थाना क्षेत्र को गिरफ्तार किया।

प्रेमी युगल ने तालाब में छलांग लगाई, दोनों की मौत

जोधपुर, (कासं)। ओसियां तहसील स्थित डाबड़ी गांव में आज सुबह तालाब में प्रेमी युगल के शव मिले। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और पहचान की। शवों को बाद में अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया गया।

ओसियां वृताधिकारी मदनलाल ने बताया कि सुबह सूचना मिली कि डाबड़ी गांव के तालाब में एक युगल का शव पड़ा है। इस पर पुलिस वहां पहुंची। मौके पर मोबाइल मिला जिसके आधार पर मृतक युवक की पहचान मतोड़ा निवासी जागनाथ के रूप में की गई। जबकि लड़की डाबड़ी गांव की है। रविवार की शाम को युवक जागनाथ को लोगों ने गांव में देखा था। संभवत: शाम छह बजे के बाद उन लोगों ने खुदकुशी की है। आरंभिक पड़ताल में मामला प्रेम प्रसंग का प्रतीत हुआ है। दोनों ने खुद को दुपट्टे से कमर तक बांधा और फिर छलांग लगाई है। हाथ व पैर खुल हो रखे हैं। मामले में कोई शक जाहिर नहीं हो रही। पूरा मामला सुसाइड का लग रहा है। शवों को कार्रवाई के लिए ओसियां चिकित्सालय भिजवाया गया। इधर इस घटना की जानकारी गांव में फैलते ही ग्रामीण तालाब की तरफ एकत्र होने लगे।

बनास नदी की पुलिया से निकलते वाहनों को पकड़ा

माण्डलगढ़ के बीगोद में उफान पर आई बनास नदी की पुलिया पार करते वाहन चालक।

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़ उपखण्ड क्षेत्र के बीगोद कस्बे में बनास नदी पुलिया पर सोमवार को एक फीट से उपर पानी चल रहा था। उफान मारती नदी और पुलिया पर जान जोखिम में डाल कर ग्रामीण बाइक और पैदल निकल रहे थे। उसी दौरान तहसीलदार राजीव बड़गुर्जर पुलिया का निरीक्षण करने पहुंच गए।

पुलिया पर जान जोखिम में डाल निकलते लोगों को देखकर तहसीलदार गुस्सा हो गए और बाइक जब्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी। पैदल पुलिया पार कर आए लोगों को जमकर लताड़ा। वहीं मौके पर पुलिस जाब्ता भी तैनात नही था। तहसीलदार ने बीगोद थाना अधिकारी दिलीप सिंह को फोन कर तुरंत जाब्ता भेजने के निर्देश दिए। बीगोद थाने से पुलिस जाब्ता के मौके कर तहसीलदार द्वारा पकड़ी गई मोटरसाइकिलों को पुलिस को सुपुर्द किया और बनास नदी की पुलिया से गुजरने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और पुलिया के दोनों ओर पुलिसकर्मी हर वक्त तैनात रहने के निर्देश दिए।

राजस्व मण्डल, अजमेर की सर्किट बैंच ने जोधपुर में कार्य शुरू किया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेटस् एसोसियेशन, जोधपुर ने राजस्व मण्डल राजस्थान, अजमेर की सर्किट बैंच के जोधपुर में पांच दिवस सुनवाई शुरू होने पर हर्ष प्रकट किया है। महासचिव गिरधरसिंह भाटी ने बताया कि राजस्व मंण्डल राजस्थान, अजमेर की सर्किट बैंच जो कि राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेशानुसार जुलाई माह में पांच दिवस यथा 24 से 28 जुलाई तक जोधपुर संभाग के राजस्व से संबंधित मामलों की सुनवाई करेगी।

अध्यक्ष रणजीत जोषी ने बताया कि पूर्व में राजस्व मण्डल की सर्किट बैंच जोधपुर में अल्प समय के लिए ही आयोजित होती थी तथा पिछले काफी समय से सर्किट बैंच के जोधपुर में आयोजन को रदद् कर दिया गया था। जिससे जोधपुर सहित सम्पूर्ण जोधपुर संभाग के राजस्व के मामालों में वृद्धि होने से एवं संभाग के मामलों के निस्तारण के लिए अजमेर जाने के लिए अधिवक्ताओं एवं मुवकिलों को विवश होना पडता था। जिससे अनावश्यक रूप से समय व धन की बर्बादी होती थी। उक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेटस एसोसियेशन, जोधपुर द्वारा राजस्थान उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर कर राजस्व मंडल राजस्थान की स्थाई बैंच जोधपुर में स्थापित किये जाने की मांग गई। जिससे वैकल्पिक तौर पर राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा जोधपुर में प्रत्येक माह में पांच दिवस के लिए सर्किट बैंच के आयोजन के आदेश पारित किये गये थे।

जिसकी पालना में राजस्व मंण्डल राजस्थान अजमेर की सर्किट बैंच जुलाई आज से पांच दिवस के लिए आयोजित की जा रही हैं। जिसमें एस.बी एवं डी.बी. के लंबित मामलों की सुनवाई की जायेगी एवं अधिवक्ताओं एवं मुवकिलों को राहत प्राप्त होगी। राजस्व मंण्डल राजस्थान की सर्किट बैंच जोधपुर में लगाये जाने की राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेटस एसोसियेशन, जोधपुर ने हर्ष प्रकट करते राज्य सरकार का आभार प्रकट किया। सोमवार को आयोजित बैठक में अध्यक्ष रणजीत जोशी, उपाध्यक्ष गोकुलेश बोहरा, महासचिव गिरधरसिंह भाटी, सह-सचिव दीपक थानवी, पुस्तकालय-सचिव माया गहलोत, कोषाध्यक्ष देवाराम चौधरी उपस्थित रहे।

हमीद खान मेवाती का मेवात की जनता ने स्वागत किया

जयपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती का कामां आगमन पर गांव-गांव में कस्बा गोपालगढ, पहाड़ी कामां में भाजापा के कार्यकर्ताओं द्वारा एवं प्रमुख गणमान्य नागरिकों, आमजन द्वारा स्वागत किया गया।

मेवाती का जगह-जगह फूल-मालाओं, साफा पहनाकर एवं पुष्प वर्षा कर स्वागत और सम्मान किया गया तथा मेवात की जनता ने मेवात क्षेत्र से पहली बार हमीद खान मेवाती जैसे कार्यकर्ता को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रदेशाध्यक्ष बनाने के लिए भाजपा को भी धन्यवाद एवं आभार जताया। मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने किये गये स्वागत के लिए मेवात की जनता को धन्यवाद दिया एवं विश्वास दिलाया कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा सत्ता में आई तो मेवात क्षेत्र का विकास करेंगे। इसलिए मेवात में भाजपा को विजयी बनाने में मेवात की जनता पूर्ण समर्थन करें। कामां पहुंचे पर कामां शहर भाजपा मण्डल अध्यक्ष प्रदीप गोयल की अध्यक्षता में भाजपा एवं मोर्चा पदाधिकारियों की बैठक समपन्न हुई।

- भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष है हमीद खान मेवाती
- भाजपा सत्ता में आई तो मेवात का होगा विकास : मेवाती

बैठक में मुख्य अतिथि मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने अपने उद्बोधन में भाजपा मोदी सरकार के 9 साल बेमिसाल, गरीब कल्याणकारी योजना, अल्पसंख्यक जनकल्याणकारी योजना एवं उपलब्धियों को विस्तार से बताया और आगामी 27 जुलाई, 2023 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सीकर में आयोजित जनसभा में सभी कार्यकर्ताओं का पहुंचने का आव्हान किया। इस मौके पर मेवाती ने कहा कि राजस्थान प्रदेश में भाजपा की मजबूत सरकार बन ही रही है, लेकिन आप सभी यह संकल्प लें कि अबकी बार हर हाल में कामां विधानसभा में कमल खिलायेंगे। मेवाती ने कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार की नाकामियों को भी जनता के सामने बताया। वर्तमान विधायक एवं राज्यमंत्री ने अपने परिवार का ही विकास किया है और कामां की जनता को लूटने का काम किया, जिसको इस चुनाव में कामां की जनता सबक सिखायेगी।

मेवाती ने कहा कि कांग्रेस की गहलोत सरकार के चलते राजस्थान प्रदेश में ना बिजली है, ना पानी है, ना सड़क हैं, ना सुरक्षा, ना स्वास्थ्य की कोई व्यवस्था नहीं है। पहले से ही झूठ बोल कर सत्ता में आई कांग्रेस ने किसानों का अब तक सम्पूर्ण कर्जमाफ भी नहीं किया, लेकिन अब महंगाई राहत कैंप लगाकर ढोंग रच कर प्रदेश की भोली-भाली जनता को गुमराह करने का काम कर रही है, परन्तु जनता अब इनके झांसे में नहीं आयेगी और आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करेगी। मेवाती ने कहा कि भाइयों अब कमर कस लो, अब वह वक्त आ गया है कि कांग्रेस को सबक सिखाना है, भारतीय जनता पार्टी की मजबूत सरकार बनाना है और कामां में भी कमल खिलाना है।

कोजरा-नांदिया के रास्ते में बजरी का डम्पर फंसा

पिण्डवाड़ा, (निसं)। समीपवर्ती ग्राम कोजरा-नांदिया के बीच रास्ते में अवैध बजरी परिवहन करता डम्पर फंस गया, जिससे रास्ता अवरूद्ध हो गया।

कोजरा-नांदिया व नांदिया-आरासणा रोड पर पर अवैध रूप से ओवरलोडिंग बजरी के डम्परों के आवागन से सड़क व रपटें पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। रपट व सड़क क्षतिग्रस्त होने सार्वजनिक निर्माण विभाग को करोड़ों रूपये का नुकसान हुआ है। वहीं सोमवार को नांदिया के समीप अवैध रूप से ओवरलोडिंग बजरी परिवहन करते हुए डम्पर फंस गया। डम्पर फंसने से रास्ता अवरूद्ध हो गया। जिससे ग्रामीणों की मौके पर भीड़ लग गई। ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन के विरूद्ध आक्रोश प्रकट किया। वही जब खनन विभाग के सहायक अभियंता चन्दन कुमार को अवैध बजरी परिवहन की सूचना दी, तो कार्यवाही करने के बजाय यह उत्तर दिया कि सरकार को रिपोर्ट भेजेंगे।

एसडीएम पिण्डवाड़ा हंसमुख कुमार ने बताया कि बजरी के अवैध परिवहन की जानकारी नहीं है, मैने खनिज विभाग के अधिषाशी अभियंता से चर्चा करता हूं। खनिज विभाग सिरोही के अधिशाषी अभियंता चंदन कुमार ने बताया कि बजरी पर दो माह के लिए परिवहन पर रोक लगी हुई है, फिर भी अवैध रूप से परिवहन की जा रही है तो कार्यवाही के लिए रिपोर्ट बनाकर सरकार को भेजी जायेंगी। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश सदस्य रतनलाल गरासिया ने बताय कि स्थानीय प्रशासन द्वारा अवैध बजरी परिवहन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाकर नांदिया-आरासणा व कोजरा नांदिया मरम्मत कार्य नहीं किया गया तो सात दिन के बाद उपखण्ड कार्यालय का घेराव पर जन आन्दोलन किया जायेगा।

विवाहिता ने फांसी लगाई

निवाई, (निसं)। रेलवे स्टेशन के समीप विजय नगर कॉलोनी में रविवार की रात 23 वर्षीय एक विवाहिता ने फांसी के फंदे से झूल कर आत्महत्या कर ली। पड़ोसियों की सूचना पर प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक कृतिका यादव घटनास्थल पर पहुंची और मृतका के शव को फन्दे से उतरवा कर कब्जे में लेकर स्थानीय राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। इसके बाद उपाधीक्षक कृतिका यादव ने मृतका के पीहर पक्ष को सूचना दी। उन्होंने बताया दोपहर 1 बजे सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन समीप स्थित विजय नगर कॉलोनी में एक विवाहिता ने आत्महत्या कर ली है। मृतका कृष्णा बैरवा उम्र 23 वर्ष पत्नी संजय बैरवा निवासी विजय नगर कॉलोनी है। मृतका का पति जयपुर में राजमिस्त्री का कार्य करता है और सास-ससुर व उसका पति घटना के समय घर पर मौजूद नहीं थे। मृतका का विवाह 18 मई 2019 में हुआ था।

बाइक चोर गिरोह के दो जने गिरफ्तार, किशोर डिटेन

पुलिस ने 12 मोटर साईकिलें व तीन स्कूटी बरामद की

बांसवाड़ा, (निसं)। पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड अभियान के दौरान पुलिस ने मोटर साईकिल चोर गिरोह के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं विधि से संघर्षरत किशोर को डिटेन कर 12 मोटर साईकिलें व 3 स्कूटी बरामद की है। जिला पुलिस अधीक्षक अभिजीत सिंह ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कानसिंह भाटी के निर्देशन में उप अधीक्षक सूर्यवीर सिंह राठौड के नेतृत्व में टीम गठित की गयी।

कोतवाली थाना पुलिस की गिरफ्त में आये बाइक चोर गिरोह के दो अभियुक्त।

एसपी सिंह ने बताया कि 22 जुलाई को नारायण पुत्र मनोहर चरपोटा निवासी अंकलेश्वर की मोटर साईकिल कागदी पिकअप से चोरी हो गयी एवं सोमिल पुत्र रोशन निवासी आजाद चौक की स्कूटी चोरी हो गयी थी, जिस पर कोतवाली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया। पुलिस टीम ने जगह-जगह दबिश दी। इस दौरान सूचना मिली कि शाहबाज खान पुत्र अब्दुल कय्युम निवासी जिला कारागृह के पास तथा अरशद खान पठान पुत्र शेर खान निवासी मदार कॉलोनी शहर में मोटर साईकिलें बेचने की फिराक में घूम रहे हैं जिस पर पुलिस ने दोनों को पकडा। आरोपियों से पूछताछ करने पर शाहबाज एवं शेर खान ने विधि से संघर्षरत किशोर से मिलकर जिले में अलग-अलग जगहों से बाईक चोरी की घटनाएं स्वीकार की। पुलिस ने आरोपियों से 12 मोटरसाईकिलें व तीन स्कूटी बरामद की।

पुलिस ने शाहबाज से शहर के अलावा मध्यप्रदेश के रतलाम, सैलाना, जिले के थाना दानपुर, गढी एवं सदर थाना क्षेत्र से चोरी की गयी सात मोटर साईकिलें व एक स्कूटी बरामद की वहीं अरशद खान से रतलाम, जिले के थाना गढी क्षेत्र से चोरी की गयी दो स्कूटी व तीन मोटर साईकिल तथा विधि से संघर्षरत किशोर से एक स्कूटी बरामद की। पुलिस टीम में सहायक उपनिरीक्षक अब्दुल मुनाफ व विवेकभान सिंह, कांस्टेबल पृथ्वीपाल सिंह, भानुप्रताप सिंह व पवन कुमार सभी थाना कोतवाली शामिल रहे। पुलिस अधीक्षक सिंह ने बताया कि मोटर साईकिलें बरामद करने में कांस्टेबल पृथ्वीपाल एवं भानुप्रताप सिंह का विशेष योगदान रहा।

गुढा के मामले में कांग्रेस क्या फाउल खेल गई है?

महिला उत्पीड़न के मुद्दे पर गुढ़ा की बर्खास्तगी कांग्रेस के खिलाफ विपक्ष का हथियार बनेगी?

जयपुर, (का.प्र.)। मंत्री पद से बर्खास्त किए गए राजेंद्र सिंह गुढ़ा को लेकर क्या कांग्रेस सरकार कोई फाउल खेल गई। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है कि जिस तरह से लाल डायरी दिखाए जाने के बाद सरकार और सरकार के बचाव में आने वाले मंत्री-विधायकों में डायरी का खौफ नजर आया और इसी खौफ के चलते आनन-फानन में गुढ़ा को ना सिर्फ सदन से बर्खास्त किया गया, बल्कि मार्शलों के जरिए बाहर भी निकलवा दिया गया।

ऐसा होने पर गुढ़ा को अपनी बात लोगों के बीच रखने का ज्यादा बेहतर मौका तो मिला ही है, साथ ही अब लोगों में सहानुभूति बटोरने का मौका भी मिल गया है। वहीं दूसरी ओर भले ही सरकार कहे कि लाल डायरी जैसी कोई बात नहीं है, लेकिन भाजपा जिस तरह से इस बात को अब मुद्दा बना रही है, वह निश्चित तौर पर सरकार की बातों पर संदेह पैदा करेगा और चुनाव के ऐन पहले इस तरह का संदेह नुकसानदायक हो सकता है। इतना ही नहीं गुढ़ा को मंत्री पद से जिस मुद्दे पर बर्खास्त किया गया है, वह मुद्दा महिला उत्पीड़न से जुड़ा हुआ है और यही वह मुद्दा है जिसे लेकर कांग्रेस और विपक्षी दल केंद्र में भाजपा को घेर रहे हैं। इस मुद्दे पर गुढ़ा की बर्खास्तगी कांग्रेस के उस मुद्दे को कमजोर भी करेगी। खुद गुढ़ा भी अब इसी मुद्दे को लेकर अपनी विधानसभा में जाएंगे तो अब तक मिले जो एंटी इनकबेंसी का नुकसान हो सकता था, वह शायद उन्हें नहीं होगा। सदन से निलंबित किए जाने के बाद गुढ़ा ने भी महिला उत्पीड़न को लेकर ही सबसे ज्यादा चर्चा की है।

- **गुढ़ा को बर्खास्तगी के बाद अपनी बात लोगों के बीच रखने का ज्यादा बेहतर मौका तो मिला ही है, साथ ही अब लोगों में सहानुभूति बटोरने का मौका भी मिल गया है**
- **महिला उत्पीड़न वह मुद्दा है जिसे लेकर कांग्रेस और विपक्षी दल केंद्र में भाजपा को घेर रहे हैं। इस मुद्दे पर गुढ़ा की बर्खास्तगी कांग्रेस के उस मुद्दे को कमजोर भी करेगी**

राजस्थान विधानसभा की शेष बची कार्यवाही से बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा को निलंबित किए जाने के बाद गुढ़ा 2 अगस्त से दोबारा शुरू हो रही विधानसभा की कार्यवाही में दिखाई नहीं देंगे। निलंबित होने के बाद राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि उन्हें जानकारी नहीं है कि निलंबित क्यों किया गया? वो तो केवल लाल डायरी टेबल पर ले जाना चाहते थे और अपनी बात रखना चाहते थे। गुढ़ा ने कहा कि दो दिन पहले मंत्री पद से बर्खास्त किया गया था, उसका भी कोई कारण नहीं था। उस समय भी केवल इतना ही कहा था कि सरकार को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। हम अपनी माता-बहनों को सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं। राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि अब शायद पार्टी से भी निकाल देंगे। निलंबन होने के बाद जनता के पास जाने के अलावा उनके पास कोई रास्ता नहीं है। गुढ़ा ने कहा कि उन्होंने अध्यक्ष के साथ कोई बदसलूकी नहीं की। अध्यक्ष के पास यह कहने गया था कि मंत्री के तौर पर जो कुर्सी थी वह बर्खास्त होने के बाद उनकी रही नहीं। ऐसे में वो कहां बैठकर अपनी बात कहेंगे, लेकिन अध्यक्ष ने उनकी बात नहीं सुनी। स्पीकर भी पता नहीं किसके दबाव में हैं।

निलंबन की कार्रवाई के बाद बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि राजस्थान विधानसभा में जनता ने उन्हें दो बार भेजा है। उसमें जो वोट पड़ता है वह फेस पर दिया जाता है, विश्वास पर दिया जाता है। जनता ने इसी फेस पर भरोसा किया था कि हम विधानसभा जाकर बहन-बेटियों के लिए कुछ कर पाएंगे। आज प्रदेश की स्थिति यह है कि प्रदेश दुष्कर्म और महिला हत्या के मामले में हिंदुस्तान में नंबर 1 हो गया है। हम किस मुंह से बहन बेटियों को जाकर यह कहेंगे कि आपने जिस कारण से हमें विधानसभा में चुनकर भेजा वह हम नहीं कर सके। मैंने यह बोलने का प्रयास किया था, लेकिन मुझे बर्खास्त कर दिया गया।

बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने इससे भी आगे बढ़कर राजस्थान के मंत्रीमंडल पर ही आरोप लगा दिया और दावा किया कि सरकार के मंत्रियों का नारको टेस्ट करवाया जाए और उनसे दुष्कर्म के संबंध में सवाल पूछा जाए तो जो लोग जेलों में बंद हैं, यह मंत्री उससे भी बड़े क्रिमिनल निकलेंगे। उन्होंने कहा कि मंत्री परिषद के सारे सदस्यों का नार्को टेस्ट करवाएं तो पता चले कि कैसे लोगों को जनता जिताकर विधानसभा में भेज रही है। महिला दुष्कर्म के मामले में आधे से ज्यादा मंत्री पीएचडी होल्डर मिलेंगे।

कांग्रेस के नेताओं की ओर से भी कहा जा रहा है कि जो राजेंद्र गुढ़ा डायरी लेकर आए वह फर्जी थी। इस पर राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि इस डायरी को लेने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 2020 में मुझे मंत्रिमंडल की मीटिंग से यह कहते हुए भेजा था कि किसी भी कंडीशन में लाल डायरी को निकालकर लाओ। डायरी के संबंध में कुछ चीजें विधानसभा में रखना चाहता था, ताकि प्रदेश की जनता के सामने यह बात पहुंच सके, लेकिन एक साथ 20-25 मंत्री मेरे ऊपर गिरे और मुझसे वह लाल डायरी छीन ली। मंत्री ही बताएं कि वह किस बात से डर रहे थे, जब उस डायरी में कुछ नहीं था तो उन्होंने जबरन वह डायरी मुझसे क्यों छीनी? अपनी बर्खास्तगी पर गुढ़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री अगर मुझसे इस्तीफा मांगते तो मैं रिजाइन दे देता। चाहे बड़े से बड़ा अपराधी कोई टेररिस्ट ही क्यों न हो उसकी बात पर सुनवाई होती है, लेकिन मुझे बिना किसी अपराध के बर्खास्त कर दिया गया। गुढ़ा ने कहा कि मेरी विधानसभा की सदस्यता को खतरा है या फिर जो मुकदमे मेरे पर लगे हैं उनमें मुझे जेल में डाले जाने का भी खतरा है। इन सबके बावजूद मैं संघर्ष करूंगा। गुढ़ा ने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस प्रभारी ने मुझे कहा कि मैं माफी मांग लूं। माफी मांगने के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत माफ कर देंगे। लेकिन मैंने माफी मांगने के बजाए संघर्ष करने का निर्णय लिया है। मैं हमारी बहन बेटियों के लिए जिन्होंने मुझे चुनाव जीता कर विधानसभा में भेजा है उनके लिए कुछ कर नहीं पाया,क्योंकि मेरे मुंह पर ताले लगा दिए गए थे।

विधानसभा के बाहर भाजपा विधायकों ने बड़ी लाल डायरी रखी। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया और विधायक जोगेश्वर गर्ग मौजूद थे।

राजेंद्र गुढ़ा और मदन दिलावर विधानसभा की शेष कार्यवाही के लिए निलंबित

धारीवाल का माइक खींचने पर गुढ़ा से कांग्रेस विधायकों ने मारपीट की

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। विधानसभा से बर्खास्त हुए मंत्री राजेंद्र गुढ़ा को सोमवार को सदन में लाल डायरी लहराने, आरोप-प्रत्यारोप करने, स्पीकर से बदसलूकी करने और मंत्री शांति धारीवाल पर हमला करने की नीयत के चलते 15वीं विधानसभा की शेष बची कार्यवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। गुढ़ा के साथ ही भाजपा विधायक मदन दिलावर को भी निलंबित किया गया है। वहीं विधानसभा की कार्यवाही भाजपा के विरोध के चलते तीन बार स्थगित करनी पड़ी।

संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने यह प्रस्ताव रखते हुए कहा कि राजेंद्र गुढ़ा मुझे मारने के उद्देश्य से मेरी ओर बढ़े। गुढ़ा को अन्य कांग्रेस विधायकों ने रोका, अन्यथा कोई बड़ी घटना हो सकती थी। धारीवाल ने भाजपा विधायक मदन दिलावर के लिए भी कुछ इसी तरह के आरोप लगाए और उन्हें भी विधानसभा की शेष बची कार्यवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। आज जिस तरह से सदन में हंगामा हुआ, उसके चलते बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा पर यह अनुशासनहीनता के चलते कार्रवाई हुई है। आगामी दो अगस्त को राजस्थान विधानसभा की कार्यवाही फिर से शुरू होगी, लेकिन उसमें गुढ़ा और दिलावर शामिल नहीं हो पाएंगे।

- **भारी हंगामे के बीच विधानसभा की कार्यवही को तीन बार स्थगित करना पड़ा**
- **मारपीट को देखते हुए अध्यक्ष ने गुढ़ा को मार्शल के जरिये विधानसभा से बाहर करवाया**
- **बाद में जब मणिपुर की घटना को लेकर संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने शासकीय संकल्प पढ़ना शुरू किया, तो भाजपा विधायक मदन दिलावर, मंत्री शांति धारीवाल की कुर्सी पर पहुंच गए और उन्होंने धारीवाल को रोकने का प्रयास किया**

दरअसल विधानसभा में शून्यकाल में सोमवार को लाल डायरी पर माहौल गर्मा गया। सदन में एक ओर भाजपा विधायकों ने लाल डायरी लहराई और नारेबाजी करने लगे। वही दूसरी ओर गुढ़ा अचानक से वेल के बीचों-बीच आये और स्पीकर के सामने एक लाल डायरी लहराने लग गए। इस पर स्पीकर ने कड़ी आपत्ति जताई और गुढ़ा को नहीं करने को कहा लेकिन जब इस पर भी गुढ़ा नहीं माने। वहीं स्पीकर ने संसदीय कार्यमंत्री को बोलने का अवसर दिया। इस पर गुढ़ा, धारीवाल की ओर बढ़े और उनका माइक छीनने का प्रयास किया। बाद में रफीक खान सहित अन्य कांग्रेसी विधायकों ने गुढ़ा को पकड़कर मारपीट शुरू कर दी। मदन दिलावर, गुढ़ा को बचाने वहां पहुंचे। इसके बाद स्पीकर ने मार्शल को उन्हें सदन से बाहर निकालने का आदेश दे डाला और सदन की कार्यवाही को दो बजे तक के लिये स्थगित कर दिया।

इसके बाद फिर से दो बजे विधानसभा की कार्यवाही शुरू हुई, तो मणिपुर की घटना को लेकर संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने शासकीय संकल्प पढ़ना शुरू किया, लेकिन भाजपा विधायकों ने हंगामा जारी रखा। इस दौरान भाजपा विधायक मदन दिलावर, मंत्री शांति धारीवाल की कुर्सी पर पहुंच गए और उन्होंने धारीवाल को रोकने का प्रयास किया।

भाजपा 'लाल डायरी' को सदन से सड़क तक ले जाएगी : राजेन्द्र राठौड़

जयपुर। कांग्रेस सरकार से बर्खास्त मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा ने जिस 'लाल डायरी' को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर भ्रष्टाचार के सबूत होने का दावा किया हैं, उस डायरी को संसद से लेकर सड़क तक भाजपा लाएगी। जनता के सामने कांग्रेसी भ्रष्टाचार के लाल धब्बों को उजागर करेंगे। हमने विधायक गुढा से भी मांग की है कि "लाल डायरी" के लाल धब्बों के तथ्य हमें उपलब्ध कराएं। गुढा के साथ सदन में जो लाल डायरी छीनने और छीना झपटी की घटना से लोकतंत्र के मंदिर को कलंकित करने का काम किया है। यह कहना है कि नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ व उपनेता प्रतिपक्ष डॉ. सतीश पूनिया का।

- **जिस विधायक के घर जाकर मुख्यमंत्री ने कहा आपने मेरी सरकार बचाई, आपका अहसान नहीं भूल सकता; उसे ही बर्खास्त किया : नेता प्रतिपक्ष**
- **मुख्यमंत्री को दुनिया की पंचायती करने के बजाय अपने गिरेबान में झांकना चाहिए, मुख्यमंत्री फेस सेविंग के लिए सदन से भागते हैं और सड़क से भी भागते हैं : पूनिया**

सोमवार को पत्रकारों से बात करते हुए राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत 3 महीने पहले जिनके पुत्र के जन्म दिवस पर उनके गांव में जाकर कहते हैं कि अगर राजेंद्र सिंह गुढा नहीं होते तो मेरी सरकार नहीं होती, मैं आपका अहसान भूल नहीं सकता। और उसी व्यक्ति ने जब महिला उत्पीडन पर कांग्रेस सरकार को आईना दिखाया तो मंत्रिमंडल से उन्हें बर्खास्त कर दिया गया।

उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने कहा कि, "लाल डायरी" से सरकार क्यों घबरा रही है, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत क्यों घबरा रहे हैं, राजस्थान की जनता लाल डायरी का राज जानना चाहती है। एक कहावत है "चोर चोरी से जाए लेकिन सीनाजोरी से नहीं जाए," राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार पिछले 5 वर्षों से ऐसा कर रही है।

कांग्रेस के भीतर आवाज दबाई जाती है और सदन के भीतर भी, मुख्यमंत्री को दुनिया की पंचायती करने के बजाय अपने गिरेबान में झांकना चाहिए, मुख्यमंत्री फेस सेविंग के लिए सदन से भागते हैं और सड़क से भी भागते हैं। कांग्रेस सरकार के 5 साल राजस्थान के राजनीतिक अध्याय में काले अक्षरों में लिखे जाएंगे।

ओलंपिक क्वालीफायर की तैयारी के लिये 34-सदस्यीय स्क्वाड घोषित

नयी दिल्ली 24 जुलाई। इस साल के अंत में एएफसी ओलंपिक क्वालीफायर राउंड 2 में खेलने वाली सीनियर भारतीय महिला फुटबॉल टीम के लिये 34 संभावित खिलाड़ियों का चयन किया गया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने सोमवार को यह जानकारी दी। एआईएफएफ ने बताया कि भारतीय महिलाएं 30 जुलाई से भुवनेश्वर में अपना शिविर शुरू करेंगी। भारत एएफसी महिला ओलंपिक क्वालीफायर के ग्रुप सी में जापान (26 अक्टूबर), वियतनाम (29 अक्टूबर) और मेजबान उज्बेकिस्तान (एक नवंबर) से भिड़ेगा। टूर्नामेंट का आयोजन 26 अक्टूबर से एक नवंबर के बीच ताशकंद के जेएआर स्टेडियम और बुनयोडकोर स्टेडियम में होगा। इस साल की शुरुआत में भारतीय टीम ने किर्गिज़ गणराज्य को 5-0 और 4-0 से हराकर ओलंपिक क्वालीफायर के राउंड 2 जगह बनायी थी। शिविर के लिए चयनित 34 संभावितों की सूची में गोलकीपर सौम्या नारायणसामी, मैबाम लिनथोइनगांबी देवी, श्रेया हुडा शामिल हैं। डिफेंडरों की सूची में लोइतोंगबम आशालता देवी, नगंगबम स्वीटी देवी, संजू, ऋतु रानी, सोरोखैबम रंजना चानू, मिशेल मागरिट कास्तन्हा, डालिमा छिब्बर, मनिसा पन्ना, अष्टम उरांव, जूली किशन, शिल्की देवी, जाबामनी टुडू शामिल हैं। मिडफील्ड की जिम्मेदारी प्रियंगका देवी, अंजू तमांग, इंदुमथी कथिरेसन, संगीता बासफोर, काजोल ह्यूबर्ट डिसूजा, असेम रोजा देवी और कार्तिका अंगमुथु के कंधों पर है। फॉरवर्ड पंक्ति के खिलाड़ियों में डांगमेई ग्रेस, सौम्या गुगुलोथ, मनीषा कल्याण, अपूर्णा नारज़री, नेहा, सुमति कुमारी, रेणु, करिश्मा पुरूषोत्तम शिरवोइकर, संध्या रंगनाथन, प्यारी ज़ाक्सा, ज्योति और नंगंगोम बाला देवी के नाम मौजूद हैं।

करमन ने इवान्सविल में जीता ऐतिहासिक खिताब

इवान्सविल, 24 जुलाई। भारतीय टेनिस खिलाड़ी करमन कौर थांडी ने यहां आयोजित आईटीएफ डब्ल्यू60 इवान्सविल के फाइनल में यूक्रेन की यूलिया स्तारोदुब्तसेवा को हराकर एकल खिताब जीत लिया है। राउंडग्लास अकादमी की करमन ने रविवार को हुए फाइनल में अपने यूक्रेनी प्रतिद्वंदी को 7-5, 4-6, 6-1 से मात दी। इस जीत के साथ करमन सानिया मिर्जा के बाद अमेरिका में प्रो खिताब जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला बन गयीं। करमन ने फाइनल तक पहुंचने के लिये पहले राउंड में मेक्सिको की मारिया फर्नांडा नवारो और दूसरे राउंड में अमेरिका की मारिबेला ज़मारिप्पा को हराया था। क्वार्टरफाइनल में अमेरिका की वाइल्ड कार्ड प्रवेशी एली किक को सीधे सेटों में हराने के बाद उन्होंने सेमीफाइनल में अमेरिका की मेकार्टनी केसलर को मात दी थी। करमन वर्तमान में डब्ल्यूटीए एकल रैंकिंग में 261वें स्थान पर हैं और देश की दूसरे नंबर की महिला खिलाड़ी हैं। वह हाल ही में कनाडा के सास्काटून चैलेंजर डब्ल्यू60 की युगल स्पर्धा और अमेरिका में आयोजित डब्ल्यू 60 सुमेर पाल्मेटो प्रो ओपन की एकल स्पर्धा में उपविजेता रही थीं।

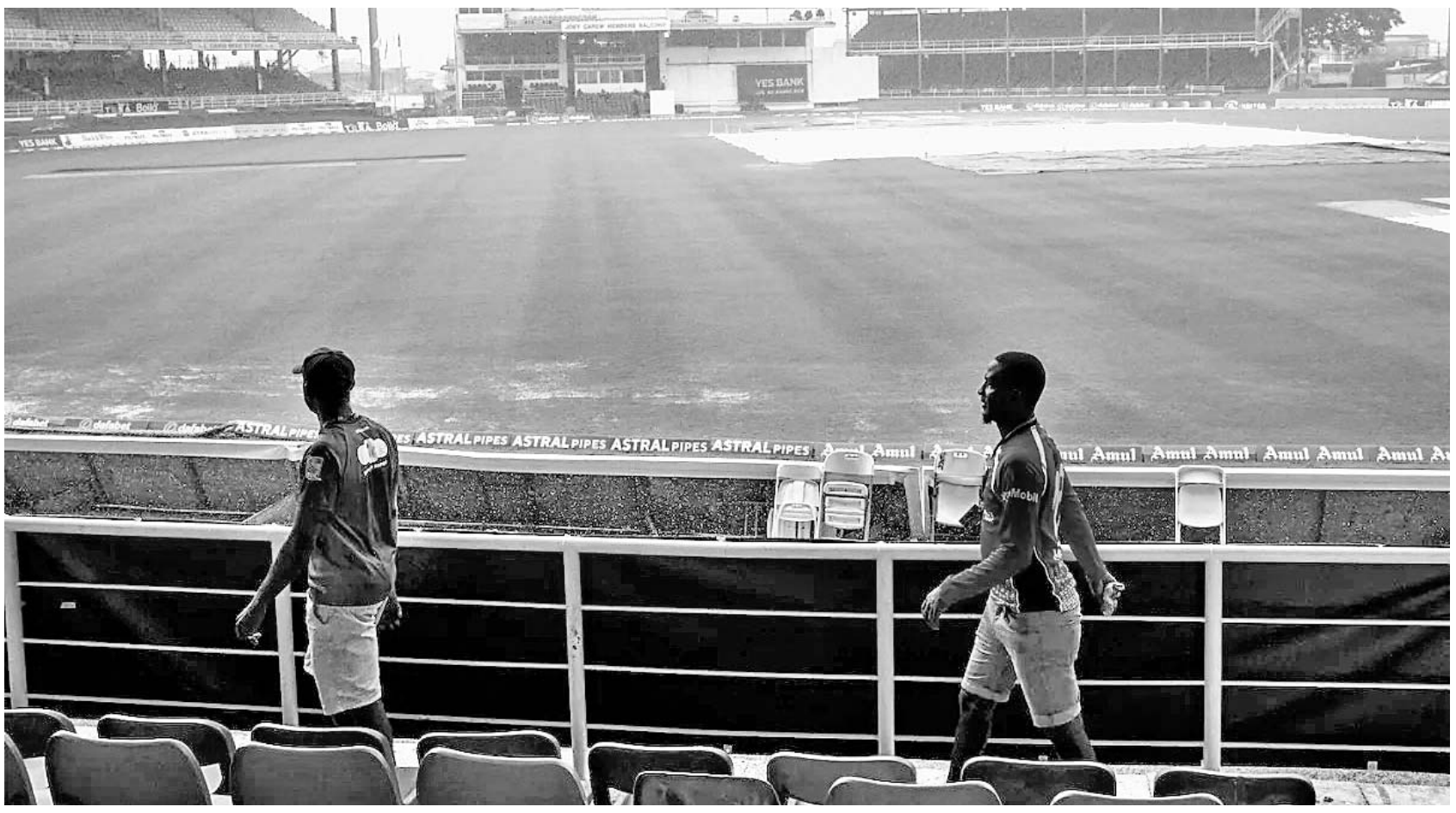

मैच के पांचवें दिन लंच से पहले का खेल बारिश से धुला

पोर्ट ऑफ स्पेन, 24 जुलाई। मूसलाधार बारिश और आउटफील्ड गीली होने से भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के पांचवें दिन सोमवार को यहां लंच से पहले का खेल नहीं हो पाया। मैच के चौथे दिन का खेल भी बारिश से प्रभावित रहा था जिसमें वेस्टइंडीज ने 365 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए दो विकेट पर 76 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज इस तरह से लक्ष्य से अभी 289 रन पीछे है। बारिश थम गई है लेकिन आउटफील्ड गीली होने के कारण पहले सत्र का खेल संभव नहीं हो पाया। चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय जर्मेन ब्लैकवुड 20 और सलामी बल्लेबाज तेगनारायण चंद्रपाल 24 रन पर खेल रहे थे।

कोलंबो में पाक फ्रंट फुट पर

कोलंबो, 24 जुलाई। अबरार अहमद (69/4) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद अब्दुल्लाह शफीक (74 नाबाद) और शान मसूद (51) के दमदार अर्द्धशतकों की बदौलत पाकिस्तान दूसरे टेस्ट के पहले दिन सोमवार को श्रीलंका पर पूरी तरह हावी रहा। पाकिस्तान ने टॉस हारकर गेंदबाजी करते हुए श्रीलंका को 166 रन पर ऑलआउट कर दिया। इसके बाद मेहमान टीम ने दिन का खेल खत्म होने से पहले दो विकेट के नुकसान पर 145 रन बना लिये और अब वह श्रीलंका की बढ़त समाप्त करने से सिर्फ 21 रन दूर है। पाकिस्तान ने दिन की शुरुआत नसीम शाह और शाहीन अफरीदी की स्विंग के साथ की। श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज निशान मदुशंका एक दुर्भाग्यपूर्ण रनआउट की भेंट चढ़ गये, जिसके कुछ देर बाद शाहीन ने कुसल मेंडिस को आउट किया। नसीम ने डिमुथ करुणारत्ने, एंजलो मैथ्यूज़ और दिनेश चांदीमल के रूप में श्रीलंका के सभी अनुभवी बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखा गया। दिसंबर 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट शृंखला में पदार्पण करने वाले अबरार ने इसके बाद मोर्चा संभाला। उन्होंने श्रीलंका के लिये सर्वाधिक रन बनाने वाले धनन्जय डी सिल्वा को आउट करने के अलावा सदीरा समरविक्रमा, रमेश मेंडिस और असिता फर्नांडो के विकेट लेकर श्रीलंकाई पारी को समाप्त किया। धनन्जय ने 68 गेंद पर नौ चौकों और एक छक्के के साथ 57 रन बनाये लेकिन उन्हें किसी का साथ न मिलने के कारण पूरी टीम 48.4 ओवर में 166 रन पर सिमट गयी। पाकिस्तान ने इसके बाद बल्ले से भी श्रीलंका पर कोई रियायत नहीं बरती। इमाम-उल-हक़ भले ही छह रन के स्कोर पर आउट हो गये हों, लेकिन अब्दुल्लाह और शान ने काफी देर तक छह से अधिक की रनगति से रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने अर्द्धशतक पूरे करते हुए दूसरे विकेट के लिये 108 रन की साझेदारी की। मसूद 47 गेंद पर चार चौकों और एक छक्के के साथ 51 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद शफीक और बाबर आज़म ने दिन के आखिरी ओवर संयम के साथ गुज़ारने का फैसला लिया। दिन का खेल खत्म होने तक अब्दुल्लाह 99 गेंद पर 74 रन बनाकर जबकि बाबर 21 गेंद पर आठ रन बनाकर खेल रहे हैं।

एशियाई खेलों के नॉकआउट मैचों से बाहर रह सकती है हरमनप्रीत

मुंबई, 24 जुलाई। बंगलादेश के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच के दौरान मैदान पर उजड्डु बर्ताव करने और प्रेजेंटेशन में अंपायरों की तीखी आलोचना के कारण भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर एशियाई खेलों के क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल से बाहर रह सकती हैं। क्रिकबज़ की ओर से सोमवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) हरमनप्रीत को चार डिमेरिट अंक देने वाला है, जिसके कारण उनपर दो सीमित ओवर मैचों का प्रतिबंध लगेगा। आईसीसी आचार संहिता नियमों के अनुसार, "जब कोई खिलाड़ी 24 महीने की अवधि के भीतर चार या अधिक डिमेरिट अंक प्राप्त करता है, तो उसे निलंबन अंकों में बदलकर (खिलाड़ी पर) प्रतिबंध लगाया जाता है। दो निलंबन अंक मिलने पर एक टेस्ट या दो वनडे या दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिये प्रतिबंध लगाया जा सकता है।" भारतीय महिला टीम अपना अगला मुकाबला एशियाई खेलों में खेलेगी। आईसीसी रैंकिंग के आधार पर भारतीय टीम को सीधा क्वार्टरफाइनल में प्रवेश मिला है। चार डिमेरिट अंक मिलने पर हरमनप्रीत क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल से बाहर रह सकती हैं। इसका अर्थ यह है कि अगर भारत फाइनल तक सफर करता है तो हरमनप्रीत सीधा खिताबी मुकाबले में मैदान पर उतरेंगी। उल्लेखनीय है कि मीरपुर के शेर-ए-बंगला स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में पगबाधा आउट दिये जाने के फैसले से निराश हरमनप्रीत ने विकेटों पर अपना बल्ला दे मारा था और पवेलियन लौटते हुए उनकी अंपायर के साथ तीखी नोक-झोंक भी हुई थी। यह मैच अंतत: टाई रहा और तीन मैचों की शृंखला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुई। हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा था कि वह अगले बंगलादेश दौरे पर ध्यान रखेंगी कि उन्हें मेज़बान टीम के अलावा "इस तरह की अंपायरिंग" का भी सामना करना है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो की एक रिपोर्ट के अनुसार, मैदान पर किये गये बर्ताव के लिये हरमनप्रीत को तीन डिमेरिट अंक मिलेंगे, जबकि प्रेजेंटेशन में अंपायरों की आलोचना के लिये उन्हें एक डिमेरिट अंक मिलेगा। मैच अधिकारियों ने आईसीसी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पास अपनी रिपोर्ट जमा कर दी है। प्रतिबंधों की घोषणा हो जाने के बाद हरमनप्रीत के पास अपील करने का अधिकार है, जिस स्थिति में आईसीसी का मैच रेफरी मामले की सुनवाई करेगा।

घुड़सवार पुंडीर ने ईएफआई पर लगाया पक्षपात पूर्ण रवैया अपनाने का आरोप

नयी दिल्ली, 24 जुलाई। भारतीय ड्रेसेज खिलाड़ी गौरव पुंडीर ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) ने यह सुनिश्चित करने के लिए उनके रास्ते में कई बाधाएं पैदा की जिससे कि वह हांगजोउ एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। सेना के पूर्व घुड़सवार गुलाब सिंह के बेटे पुंडीर ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ईएफआई ने उनसे महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई थी कि भारतीय घोड़े पृथक वास नियमों के कारण चीन में प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकते हैं। इससे उन्होंने यूरोप और अन्य जगहों पर उचित घोड़ों की तलाश में अपना समय बर्बाद किया। उन्होंने कहा, "ईएफआई अधिकारियों को पिछले साल मार्च में पता चल गया था कि भारतीय घोड़े चीन में प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले सकते हैं।

पहले टेस्ट विकेट पर विराट भाई का गले लगाना सपने जैसा था : मुकेश

पोर्ट आफ स्पेन, 24 जुलाई। इतने साल से विराट कोहली के मैदानी कारनामों को विस्मित भाव से देखते आये मुकेश कुमार के लिये यह सपने जैसा था जब उनके पहले विकेट पर भारत के पूर्व कप्तान ने उन्हें गले लगा लिया। अपने 30वें जन्मदिन से कुछ महीने पहले ही टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले बिहार के गोपालगंज जिले के मुकेश कुमार पिछले सात साल में बंगाल की अंडर 23 टीम से लेकर भारत ए के लिये खेल चुके हैं।मोहम्मद सिराज के साथ बीसीसीआई टीवी से बातचीत में उन्होंने कहा ,"मुझे जब विकेट मिला तो विराट भैया भागकर आये और मुझे गले लगा लिया। मैं किसी और दुनिया में ही चला गया। इतने साल तक टीवी पर जिसे मैं देखता आया, उसने मुझे गले लगाया। अद्भुत अनुभव था।"उन्होंने कहा ,"जब आप और जेडी (उनादकट) भाई गेंदबाजी कर रहे थे तो रोहित भाई ने कहा था कि इस पिच पर तुरंत विकेट नहीं मिलेंगे। मेहनत करनी पड़ेगी।" मानसिक रूप से वह तैयार था लेकिन जब टीम बैठक में मैच से एक दिन पहले उसे पदार्पण के बारे में बताया गया तो उसे कुछ समय लगा। उन्होंने कहा ," जब मुझे पता चला कि मैं सच में खेल रहा हूं तो मैं स्तब्ध रह गया। मैं हमेशा से खेलने के लिये तैयार था और इसलिये ही टीम बैठक में गया था। मुझे ऐसा लग रहा था कि शायद मौका मिल सकता है।" मुकेश ने कहा ,"यहां सुबह थी और भारत में शाम हो रही थी। मैं शाम को होटल पहुंचा तो मां से बात की। मैंने कहा कि मां मैं देश के लिये खेल रहा हूं। मेरे सभी रिश्तेदार भी बहुत खुश हैं जिन्होंने शुरू से मेरा साथ दिया।"

कपासन में तालाब का पानी लाने की मांग को लेकर प्रदर्शन

कलेक्टर से मुलाकात कर समस्या की जानकारी देकर मांगें रखी

कपासन, (निसं)। कस्बे की पेयजल समस्या और तालाब में पानी लाने की मांग को लेकर संघर्ष समिति के सदस्य महिला-पुरुषों ने सोमवार को चित्तौड़गढ़ कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। कलेक्टर से मुलाकात कर उन्हें समस्या की जानकारी देकर अपनी मांगें रखी।

कस्बे की पेयजल समस्या के निराकरण के लिए राजेश्वर सरोवर तालाब में बनास नदी से बनी फीडर से पानी लाने और मातृकुंडिया डैम से नई फीडर बनवाने की मांग को लेकर सोमवार को कई महिला पुरुष बस से चित्तौड़गढ़ पहुंचे और वहां कलेक्ट्रेट के बाहर अपनी मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इसके बाद कलेक्टर पीयूष सामरिया से मिलकर कस्बे के तालाब में पानी नहीं आने से पेयजल समस्या के बारे में बताया और समस्या के निराकरण के लिए राजसमंद जिले के बनास नदी से आने वाली फीडर से पानी लाने और मातृकुंडिया डैम से नई फीडर बनाकर पानी लाने की मांग की गई।

कलेक्टर ने इस पर कार्रवाई करवाने का आश्वासन दिया। इस संबंध में महिला पुरुषों ने अपनी मांगों के संबंध में मुख्य मंत्री के नाम एक ज्ञापन एडीएम अभिषेक गोयल को दिया। इस समस्या को लेकर पूरा कपासन बंद रहा। साथ ही पहले दो तीन दिन से कपासन में धरना प्रदर्शन किया जा रहा था और सोमवार को चित्तौड़गढ़ जाकर प्रदर्शन कर कलेक्टर से मुलाकात कर समस्या बताई। हाल ही में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के दौरे में कपासन कस्बे की पेयजल समस्या के निराकरण पूरी के लिए जल्द से जल्द डीपीआर बनाकर मातृकुंडिया डेम से तालाब भरने की बात कही थी, लेकिन पूर्व में सिंदेसर फीडर से आने वाला पानी भी बंद हो गया है। मातृकुंडिया से कपासन तक आने वाले समीप स्थित इस फीडर को कई लोगों ने बंद कर दिया है इसलिए पानी नहीं आ पा रहा है। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि सिंदेसर फीडर के अलावा डिंडोली गांव के पास गणेशपुरा की नहर से पानी लाया जा सकता है या गणेश पुरा से दोवनी होते हुए भी पानी की आपूर्ति की जा सकती है। उन्होंने शीघ्र ही राजराजेश्वर तालाब और धमाणा तालाब को भरने की मांग की है और चेतावनी दी है कि सात दिन में समस्या का समाधान नहीं होने पर कपासन की महिलाएं और नगरवासी पांच बत्ती चौराहे पर भूख हड़ताल करेंगे। वर्तमान में जलदाय विभाग द्वारा एक दिन छोड़कर एक दिन मुश्किल से लगभग पौन घंटे के लिए पानी की आपूर्ति की जा रही है जो ऊंट के मुंह में जीरे के समान है।

कपासन में तालाब का पानी लाने की मांग को लेकर लोगों ने चित्तौड़गढ़ कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया।

- राजेश्वर सरोवर तालाब में बनास नदी से बनी फीडर से पानी लाने और मातृकुंडिया डैम से नई फीडर बनवाने की मांग

पट्टे बनवाने की मांग को लेकर पार्षदों ने प्रदर्शन किया

पट्टे बनाने की मांग को लेकर पार्षदों ने नगर परिषद में सभापति के चैम्बर के सामने प्रदर्शन किया।

चूरू, (कासं)। एक प्रकार से चूरू में सभापति पायल सैनी के खिलाफ खुद कांग्रेस के पार्षदों ने ही विरोध प्रदर्शन करके भाजपा द्वारा उन पर लगातार लगाए जा रहे गम्भीर आरोपों की पुष्टि कर दी है। उधर 6 माह में चूरू कलैक्टर को 4 बार ज्ञापन देने के बाद भी पट्टे नहीं बनना नागरिकों के साथ अन्याय और मुख्यमंत्री की घोषणा के साथ मजाक है।

सोमवार को वार्ड संख्या 2 व 4 में पट्टे बनाने की मांग को लेकर पार्षद अंजनी शर्मा के साथ कांग्रेस के पार्षदों ने नगर परिषद में सभापति के चैम्बर के सामने बैठकर नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया और नगर परिषद् आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। आयुक्त ने 15 दिन में पट्टे बनाने का आश्वासन दिया। इसके बाद वार्ड पार्षद अंजनी शर्मा व पार्षद हुस्ना बानो के नेतृत्व में वार्डवासियों ने जिला कलेक्टर को भी ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि नगरपरिषद् कर्मचारी विकास देव द्वारा हमारी फाइलों पर अभी तक रिपोर्ट नहीं की गई। ना ही हमारी फाइल बता रहा है। पिछले 6 महीनों में आपको 4 बार ज्ञापन देने के लिए आ चुके हैं लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। संबंधित कर्मचारी को पाबंद करने और उस पर नोटिस की कार्रवाई कर पट्टे की प्रक्रिया को जल्द ही शुरू करवाया जाए। अन्यथा मजबूरन हमें आन्दोलन करना पड़ेगा।

इस अवसर पर ज्ञापन देने वालों में यूनुस खान, भंवरलाल सोनी, सुनील जालूका, युसूफ, हेमराज सैनी, इब्राहिम, गुलाम मोहम्मद, नीरज, असगर खान, सत्तार, दिलीप कुमार, बनवारी लाल, गोरूराम, लादूराम, संतलाल, फुलेखां, सुल्तान, आमिन, जाफर, फारुख, साजिद, मुकेश कुमार सहित बड़ी संख्या में वार्ड वासी उपस्थित थे। कुल मिलाकर प्रशासन और कांग्रेस के बड़े नेताओं द्वारा किए जा रहे दावों की पोल खुल गई है।

जेल में बंद आरोपी को वी.सी. के जरिए सुनाई सजा

सुजानगढ़, (निसं)। बोलेरो चोरी के दस साल पुराने मामले में एसीजेएम नवनीत अग्रवाल ने अजमेर जेल में बंद आरोपी कुलदीप उर्फ टीकू को तीन साल के कारावास एवं बीस हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। सुजानगढ़ न्यायिक इतिहास में यह पहला अवसर है, जब किसी आरोपी को विडियो कॉन्फ्रेन्सिग के जरिए सजा सुनाई गई है।

अभियोजन अधिकारी महेश नेहरा ने बताया कि 19 फरवरी 2013 को दीपसिंह राजपूत निवासी घाटवा, पुलिस थाना चितावा जिला नागौर ने सालासर थाने में रिपोर्ट दी कि गांव बामणियां में सुल्तानसिंह राजपूत के घर के आगे से किसी अज्ञात व्यक्ति ने मेरी बोलेरो कार चोरी कर ली। एक मार्च 2013 को नीमकाथाना में प्रोपर्टी डीलर सुआलाल जाखड के साथ हुई लूट में उक्त चोरीशुदा बोलेरो काम में ली गई। नीमकाथाना पुलिस ने लूट की वारदात में काम ली गई बोलेरो को जब्त करते हुए उसमें सवार आरोपी कुलदीप उर्फ टीकू पुत्र अमरसिंह निवासी सुभाष मंडी, नीमकाथाना, मनोज उर्फ डोल्डा पुत्र होशियारसिंह निवासी जोधपुरा, उदयपुरवाटी, सोहनलाल उर्फ सोनू पुत्र सुबेसिंह जाट निवासी कैरवाली, पुलिस थाना सदर, सीकर को गिरफ्तार किया।

- बोलेरो चोरी के दस साल पुराने मामले में तीन साल का कारावास व अर्थदण्ड से दण्डित किया

जिनके खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया गया। प्रकरण में आरोपी मनोज व सोहनलाल फरार हो गए। एसीजेएम नवनीत अग्रवाल ने पत्रावली पर उपलब्ध मौखिक एवं दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में बंद आरोपी कुलदीप उर्फ टीकू को विडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के जरिए तीन वर्ष के साधारण कारावास एवं बीस हजार रूपये के जुर्माने तथा अदम अदायगी नहीं होने पर तीन माह के अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई। आरोपी कुलदीप उर्फ टिंकू के खिलाफ विभिन्न थानों में चोरी, अपहरण, लूट, धोखाधडी, मारपीट के 23 मुकदमें दर्ज है। प्रकरण में राज्य सरकार की ओर से अभियोजन अधिकारी महेश नेहरा ने पैरवी की।

डूबने से नाबालिग की मौत

सुजानगढ़, (निसं)। शहर के एक लड़के की स्विमिंग पुल में नहाने के दौरान मौत हो गई। लाडनूं थाने के हैड कांस्टेबल गजेन्द्रसिंह ने बताया कि कुणाल पुत्र प्रेमसुख नाई उम्र 17 वर्ष निवासी रेलवे फाटक नं. 3 सुजानगढ़ अपने ननिहाल बाडेला आया हुआ था। कुणाल बाडेला में स्थित स्विमिंग पुल में नहाने के लिए गया था, जो कि वहां डूब गया। जिस पर वहां उपस्थित लोगों ने उसे आनन-फानन में लाडनूं के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हैड कांस्टेबल गजेन्द्रसिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है तथा उसके शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। परिजनों के आने पर मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम करवाया जायेगा।

बिल्डिंग निर्माण में काम करने वाले मजदूर की करंट से मौत

परिजनों का आरोप है कि ठेकेदार से पैसा मांगने पर उसे धक्का दिया था

कोटा, (निसं)। विज्ञान नगर थाना क्षेत्र में बिल्डिंग निर्माण में काम करने वाले मजदूर की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मजदूर करंट की चपेट में आया। परिजनों का आरोप है कि ठेकेदार से पैसा मांगने पर उसे धक्का दिया। इसके बाद वो नीचे पड़े बिजली के तार पर जा गिरा। अचेत हालात में उसे इलाज के लिए हॉस्पिटल लाया गया। जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित किया।

पोस्टमार्टम के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए एमबीएस हॉस्पिटल की मोर्चरी में शिफ्ट करवाया है। कुंवर सिंह (34) करौली जिले का रहने वाला था। मार्बल फिटिंग का काम करता था। चचेरे भाई वीपी सिंह ने बताया कि 3 महीने पहले ही कुंवर सिंह मजदूरी के लिए कोटा आया था। ठेकेदार के पास काम करता था। विज्ञान नगर इलाके में एक कोचिंग की बिल्डिंग का निर्माण चल रहा है। ठेकेदार ने तीन महीने से कुंवर सिंह को भुगतान नहीं दिया। पिछले तीन-चार दिन से कुंवर सिंह गांव भेजने के लिए ठेकेदार से मजदूरी का भुगतान मांग रहा था। रविवार रात को ठेकेदार ने ढाई बोतल शराब व मीट लेकर आया। रात साढ़े 9 बजे करीब साइट पर 4-5 लेबर ने पार्टी की।

वीपी सिंह ने कहा कि कुंवर सिंह शराब के नशे में था उसके पीठ पर धक्का मारा। जिससे वो नीचे पड़े तार से करंट की चपेट में आ गया। लकड़ी पर दो कील पर बिजली का तार लगा हुआ था। अचेत हालत में मौके पर मौजूद लेबर उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचीं। जहां उसकी मौत हो गई। घटना के वक्त मौके पर मौजूद साले पुरुषोत्तम ने बताया की हम तीन चार महीने से ठेकेदार के पास काम कर रहे है। रात को ठेकेदार ने दारू मीट की पार्टी दी थी। मौके पर 6-7 जने थे। ठेकेदार मजदूरी के पैसे नहीं दे रहा था। जैसे में बाहर निकला कुंवर सिंह नीचे पड़ा हुआ था। ठेकेदार शेर सिंह ने बताया रात को घर पर खाना खाने बैठा था। उसी समय लेबर ने फोन कर कुंवर सिंह के करंट लगने की बात बताई। तुरंत मौके गया।

कुंवर सिंह को इलाज के लिए हॉस्पिटल लाए। लेबर को पैसा नहीं देने की बात झूठी है। मेरे पास 20 से ज्यादा लेबर काम करती है। एक ही आदमी के पैसे क्यों रोकूंगा। करंट कैसे लगा इस बारे में जानकारी नहीं है। मैंने शराब व मीट पार्टी भी नहीं दी। में शराब नहीं पीता। विज्ञाननगर थाना सीआई देवेश भारद्वाज ने बताया कि रात को बिजली के बोर्ड में करंट आने से लेबर की मौत हुई है। परिजन व दोस्त साथ ही थे। परिजनों द्वारा आरोप लगाया गया है,उस सम्बंध में जांच की जाएगी।

कुंड में डूबने से युवक की मौत

कोटा, (निसं)। जिले के देवलीमांझी थाना क्षेत्र के चौमा स्थित चोमेश्वर महादेव मंदिर के कुंड में नहाते समय डूबने से एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची निगम की रेस्क्यू टीम ने 35 मिनट में स्कूबा डाइविंग कर शव को बाहर निकाला। पवन कुमार सैनी (18) सांगोद से भाई व दोस्तों के साथ कावड़ यात्रा में चौमा आया था। भाई व अन्य दोस्तों के साथ कुंड में नहा रहा था। इसी दौरान पैर फिसलने से वह गहराई में चला गया।

देवली मांझी थानाधिकारी जगदीश राय ने बताया कि करीब 50 युवकों की कावड़ यात्रा सांगोद से चौमा महादेव मंदिर पर दर्शन करने आई थी। सभी कावड़ यात्री मन्दिर के पास स्थित कुंड में नहा रहे थे। इस दौरान सांगोद निवासी पवन कुमार सैनी भी अपने भाई यशपाल व अन्य साथियों के साथ कुंड में बनी सीढ़ियों पर बैठकर नहा रहा था। सम्भवतया: उसका पैर फिसल गया जिससे वह गहराई में चला गया। नहाने के बाद जब उसका भाई यशपाल और दोस्त बाहर निकले तो पवन नहीं दिखा। लोगों ने आसपास तलाश किया। इसके बाद कावड़ यात्रा में शामिल लोगों ने मौके पर मौजूद पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने कोटा निगम की रेस्क्यू टीम को सूचना दी और अपने स्तर पर कुंड में इंजन लगाकर पानी को तोड़ने का प्रयास किए। ग्रामीणों की मदद से युवक की कुंड में तलाश जारी रखी गई। काफी मशक्कत के बाद भी युवक का का पता नहीं चला। बाद में कोटा से पहुंची निगम की रेस्क्यू टीम ने कुंड में स्कूबा डाइविंग की मदद से शव को बाहर निकाला। कनवास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शव का पोस्टमार्टम करवाया।

चोरी करने के दो आरोपी गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। झीलवाडा गांव में हुई पानी की मोटर चोरी करने के आरोप में चारभुजा पुलिस ने 2 लोगों को गिरफ्तार किया।

चारभुजा थाना अधिकारी कैलाश सिंह चौहान ने बताया कि मुकेश कुमार पिता मोहनलाल शर्मा निवासी झीलवाडा ने रिपोर्ट दी कि हमारे डेरायो का रहट पर एक कुआं 8 भाईयों के सामलाती है जिसमें पीलाई हेतु मैने तथा मांगीलाल पिता मोहनलाल, नारायणलाल पिता शवजी, शम्भुलाल पिता बाबुलाल, घीसीबाई ने इलेक्ट्रीक मोटर लगा रखी थी। आज सुबह मैने कुएं पर जाकर देखा तो कुएं में लगी हुई मोटरें हमारी 5 जनों की कुएं से गायब थी। थाना सर्कल में चोरी व नकबजनी की वारदातों को रोकने के लिये पुलिस उप अधीक्षक वृत कुम्भलगढ शिवप्रकाश के निर्देश पर कैलाशसिंह थानाधिकारी द्वारा पुलिस की टीम का गठन किया। थाना सर्कल व आसपास के क्षेत्रों में पूर्व में हुई चोरियों में लिप्त अभियुक्तगण से पूछताछ की गई।

पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर पानी की मोटरें बरामद की।

पुलिस ने उक्त वारदात में चेतन पिता अर्जुन माली निवासी मालीयो का बाग झीलवाडा, किशन पिता रामलाल भील निवासी बणाचोक झीलवाड़ा को डिटेन कर थाने पर लाकर पूछताछ की तो चैतन माली व किशन भील ने ही करीब 20 दिन पूर्व मुकेश कुमार पिता मोहनलाल शर्मा निवासी ब्रहम्पुरी झीलवाडा के शामिल खेत पर कुएं पर लगी पानी की मोटर चोरी करना कबूल किया। जिस पर आरोपी चेतन माली व किशन भील को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से पानी की पांच मोटरें बरामद की। घटना में प्रयुक्त वाहन मोटरसाईकिल जप्त की गई।

अभियुक्तगण चेतन माली व किशन भील ने थाना सर्कल में अन्य चोरीयां करना बताया जिससे अन्य वारदातों के सम्बन्ध में भी पूछताछ जारी है। कार्यवाही करने वाली टीम में कैलाशसिंह थानाधिकारी, मूलसिंह हरिसिंह, अनिल कुमार, रामकरण आसूचना अधिकारी, नागेश कुमार, मदनसिंह, शिवदर्शन मौजूद थे।

सड़क हादसे में दो युवकों दर्दनाक की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। ज़िले के बदनोर मार्ग पर सबलसागर सड़क हादसे में दो परिवारों के घरों का चिराग बुझ गया। रात करीब 11 बजे बदनोर निवासी सूरज पुत्र गोपाल सिंह कच्छावा व मनीष सिंह पिता अमर सिंह रावणा की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार आसींद से काम से लौट रहे थे। तभी सामने से आ रहे वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक चालक को घसीटता हुआ दूर तक ले गया। सड़क के पास से गुजरने वाले लोग मौके पर पहुंचे और बदनोर पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने तक बाइक चालक सूरज व मनीष की मौके पर ही मौत हो गई। सूरज अपने घर का इकलौता कमाने वाला वारिस था। उसे बदनोर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया। मृत युवक सूरज आसींद व मनीष भीम में नौकरी करता था, हमेशा की तरह काम खत्म होने पर घर आ रहा था तभी हादसा हो गया।

- आसींद से काम से लौट रहे थे, वाहन ने टक्कर मारी

घटना देर रात की बताई गई। सुबह पोस्टमार्टम के बाद परिजन सूरज वह मनीष के शव को लेकर अपने अपने घर पहुंचे। घर आंगन में जवान बेटे के शव को देखकर माता-पिता के साथ परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया। जिसे भी घटना की जानकारी मिली अपने आंसू नहीं रोक पाए गमहीन माहौल में सोमवार दोपहर अंतिम संस्कार किया गया।

वाहन ड्राइवरों से लूट के मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों ने बताया कि मौज शोक पूरा करने के लिए वारदात करते थे

डूंगरपुर, (कासं)। धम्बोला थाना पुलिस ने झाफरा मोड़ पर रात के समय पथराव कर वाहन ड्राइवरों से लूट के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं आरोपियों के कब्जे से एक इको कार भी जब्त की है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

सीमलवाडा डीएसपी रामेश्वरलाल ने बताया कि पुचियावाडा निवासी ईश्वर पुत्र मावजी मीणा ने 22 जुलाई को मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट में बताया था कि 21 जुलाई की रात को वह ट्रक लेकर अहमदाबाद से सागवाडा जाने के लिए निकला था। धम्बोला थाना क्षेत्र के झाफरा मोड़ पर एक इको कार से 5 बदमाश पाइप और लट्ठ लेकर सड़क पर आए और ट्रक के आगे आकर रुकवा लिया। ट्रक रुकने पर सभी बदमाश केबिन में घुस गए और शराब के लिए पैसे मांगने लगे और उससे मारपीट की। वहीं शराब के लिए पैसे देने से मना करने पर जबरदस्ती जेब से नकदी और आधार कार्ड ले लिया। वहींए ट्रक के शीशे फोड़ दिए। इसके बाद बदमाशों ने पीछे आ रही दो कारों पर भी पथराव किया और इको कार में फरार हो गए। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। सोमवार को सूचना मिली की पथराव करने वाले बदमाश इको गाड़ी लेकर घूम रहे हैं और गुजरात की तरफ जाने वाले हैं। पुलिस ने मांडली में नाकेबंदी शुरू कर दी। इस दौरान नाकेबंदी को देखकर बदमाश गाड़ी को घुमाकर भागने लगेए लेकिन पुलिस ने पीछा करके उन्हें पकड़ लिया। इको कार में 5 लोग सवार थे।

रात के समय पथराव कर वाहन ड्राइवरों से लूट के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- आरोपियों के कब्जे से एक इको कार भी जब्त की

पुलिस ने पांचों को हिरासत में लिया और गाड़ी को जब्त करके थाने लेकर आए। पांचों युवकों ने घटना को करना कबूल कर लिया है। पुलिस ने गंधवा निवासी लाला उर्फ प्रेमशंकर तराल जीवा पुत्र अर्जुन अहारी, अशोक पुत्र गोपाल कोटेड, विनोद पुत्र बापूलाल रोत और विपिन पुत्र वीरचंद रोत को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया की मौज शोक पूरा करने के लिए वे वारदातों को अंजाम देते थे।

दो क्विंटल डोडा-चूरा सहित दो जने गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। ग्रामीण पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी कार से दो क्विंटल डोडा-चूरा बरामद किया है। तस्कर पुलिस को चकमा देने के लिए कार में फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर चल रहे थे। दोनों तस्कर जोधपुर जिले के निवासी है। पुलिस इनसे तस्करी के नेटवर्क के बारें में पूछताछ में जुटी है।

मंडाना थाना एसएचओ श्यामा राम ने बताया कि एनएच 52 कोटा झालावाड़ फोरलेन पर चेकिंग के दौरान झालावाड़ की तरफ से एक सफेद रंग की कार आते हुए नजर आई। जिसको रुकवाने की कोशिश की। कार ड्राइवर ने पुलिस को देखकर गाड़ी को दौड़ाया। पुलिस की टीम ने बमुश्किल कार को रुकवाया। पूछताछ में कार सवार ने अपना नाम मांगीलाल (42) निवासी लोहावट व धीमाराम (40) निवासी विश्नोईयों की ढाणी थाना ओसियां जिला जोधपुर बताया। उनकी कार की तलाशी में 2 क्विंटल 20 किलो डोडा-चूरा मिला। उनकी गाड़ी से झालावाड़, जोधपुर व जयपुर नम्बर की नम्बर प्लेट मिली। तस्कर पुलिस को गुमराह करने के लिए फर्जी नम्बर प्लेट कार में लगाते थे।

फुलेरा में आई फ्लू संक्रमण ने पैर पसारे

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों में पिछले करीब एक सप्ताह से लोगों की आंखों में आई फ्लू संक्रमण का असर देखा जा रहा है। आई फ्लू का प्रकोप लगभग सभी आयु वर्ग के लोगों पर हो रहा है। इसका सीधा उदाहरण बाजारों में संक्रमण से बचाव के लिए लोग चश्मा लगाकर घूमते हुए दिखाई दे रहे हैं।

- बाजारों में संक्रमण से बचाव के लिए लोग चश्मा लगाकर घूमते हुए दिखाई दे रहे हैं

उपजिला अस्पताल के प्रभारी डॉ. धर्मेन्द्र भामू ने बताया कि आई फ्लू आंखों से जुड़ा एक संक्रामक रोग है जो एक संक्रमित व्यक्ति की आंखों में देखने मात्र से ही दूसरे स्वस्थ व्यक्ति में फैलता है। कस्बे में बड़ी संख्या में तेजी से फैल रहा है। यह वायरल से संबंधित रोग है, आंखों से जुड़ी संक्रामक रोग से 2 से तीन दिन तक तो रोगी का बुरा हाल हो जाता है, आंखें लाल रहती है, आंखों में सूजन आ जाती है, आंखों में दर्द व खुजली भी होती है। अधिकतर यह रोग आंखों के सफेद भाग में होता है। इस रोग को कंजेक्टिवाइटिस और पिंक आई के नाम से जाना जाता है। यह वायरस बरसात के मौसम में ही सक्रिय होता है। हालांकि यह कोई गंभीर बीमारी नहीं है। यह बीमारी मात्र चार पांच दिन में ही ठीक हो जाती है। इसके बचाव के लिए हमें लापरवाही से बचना चाहिए। साथ ही चिकित्सक की सलाह आवश्यक रूप से लेनी चाहिए।

प्रभारी ने बताया कि प्रभारी ने बताया कि उप जिला अस्पताल में रोजाना करीब 100 से अधिक मरीज आई फ्लू के संक्रमण से ग्रसित आ रहे हैं। गौरतलब है कि इसके अलावा अन्य निजी चिकित्सालय में भी अपना इलाज करवा रहे है। फुलेरा उप जिला अस्पताल के प्रभारी डॉ. भामू ने आई फ्लू के बचाव हेतु उपचार बताया कि हमें अपने हाथों को साफ सुथरा रखना चाहिए। साथ ही साबुन से बार-बार हाथ धोना, वहीं साफ तौलिए का इस्तेमाल करने एवं अपनी आंखों को आराम से सूखे और साफ तौलिए से पौंछना चाहिए।

उपजिला अस्पताल में मरीज की जांच करते हुए नेत्र रोग विशेषज्ञ।

सऊदी अरेबिया में रियाहा से 200 किलोमीटर दूर उत्तर पश्चिम में है यहाँ का सबसे पुराना रिहायशी क्षेत्र ''उशेगर,'' जिसे अश्वेगर भी कहते हैं। प्राचीन काल में कुवैत, इरान और इराक से आने वाले हज यात्री यहां रूका करते थे। उशेगर का सबसे पहला उल्लेख एक अरब शायर मलिक-अल-अब्बासी के लेखन में मिला है, जो सातवीं सदी में यहां रहता था। परंतु यह क्षेत्र संभवतः उससे भी पुराना है। कालान्तर में, आधुनिक परिवहन के विकास के साथ उशेगर का महत्व खोता चला गया। ''हैरिटेज विलेज'' की अवधारणा में उशेगर एकदम फिट बैठता है, जहाँ हर तरफ पारम्परिक जीवन शैली नज़र आती है। पारंपरिक स्थापत्य के अलावा यहाँ के म्यूज़ियम में प्राचीन हथियार, रोजमर्रा के बर्तन, कशीदाकारी किए हुए कपड़े व खूबसूरत आभूषण देखे जा सकते हैं। तथापि, उशेगर का पुराना सैक्शन परित्यक्त है। हैरिटेज विलेज के रूप में उशेगर को विकसित करने का काम प्रगति पर है। कुछ इमारतों की मरम्मत हो गई है और कुछ अभी जीर्ण हालत में ही हैं। गलियों के जटिल नैटवर्क में, हालांकि, पैदल चलना बिल्कुल सुरक्षित है, लेकिन किसी भी खुली इमारत में घुसना खतरनाक हो सकता है। उशेगर के बाहर खजूर के वृक्ष तथा कुएं हैं। यहां के घरों की खास बात है, तिकोनी खिड़कियां व छतें और छत को सहारा देने के लिए विशिष्ट शिखर वाले खम्भे। छतें लकड़ी की बनी हैं और ठीक से देख भाल की जाए तो यहाँ के मौसम में काफी लंबी देर तक चलती हैं। स्थानीय लकड़ी से बने दरवाज़ों को ज्यामितीय डिज़ाइन से सजाया गया है।

‘लाल डायरी से राजस्थान सरकार में इतनी घबराहट क्यों है’

केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा, राजेन्द्र गुढ़ा दावा कर रहे हैं कि, यह लाल डायरी गहलोत सरकार को गिरा सकती है, लेकिन अगर गहलोत गलत नहीं हैं तो फिर घबरा क्यों रहे हैं

नई दिल्ली, 24 जुलाई (वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजस्थान में कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार के बर्खास्त मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा द्वारा विधानसभा में लायी गयी ‘लाल डायरी’ को लेकर तीखे तंज कसे और पूछा कि अगर गहलोत सरकार गलत नहीं हैं तो इतना घबरा क्यों रही है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में सवाल किया, लाल डायरी क्या है और इसे लेकर राजस्थान की कांग्रेस सरकार में इतनी घबराहट क्यों?

शेखावत ने कहा कि राजेंद्र गुढ़ा ने विधानसभा पटल पर ये विषय रखा कि अशोक गहलोत सरकार से

- **शेखावत ने कहा कि, यह लाल डायरी वर्ष 2020 में कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता और गहलोत के राजदार के घर आयकर के छापे के दौरान बरामद की गई थी। तब राजेन्द्र गुढ़ा राजस्थान पुलिस और अपने साथियों के साथ जाकर आयकर अधिकारी से यह लाल डायरी छीन लाए थे।**
- **केन्द्रीय मंत्री ने पूछा कि, यदि गहलोत पाक साफ हैं और कुछ भी गलत नहीं हुआ है तो उन्हें या सरकार के लोगों को घबराने की क्या जरूरत है। गहलोत सरकार की घबराहट बता रही है कि कहीं ना कहीं कोई गड़बड़ जरूर है।**

महिलाओं की सुरक्षा नहीं हो पाई है तो उन्हें मंत्री पद से निकाल दिया गया। मंत्री पद से निकाले जाने के बाद आज राजेंद्र गुढ़ा विधानसभा में एक लाल डायरी लेकर पहुंचे, जिसे लेकर उनका दावा है कि ये डायरी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार गिरा सकती है।

उन्होंने कहा कि ये लाल डायरी वर्ष 2020 में कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता और गहलोत के राजदार के घर आयकर के छापे के दौरान बरामद की गई थी। तब गुढ़ा राजस्थान पुलिस और अपने साथियों के साथ जाकर आयकर अधिकारी से यह लाल डायरी छीन लाए थे।

उन्होंने कहा कि गुढ़ा के मुताबिक इस लाल डायरी में अशोक गहलोत साहब के कई राज छिपे हैं। इस लाल डायरी का रहस्य जिस दिन खुलेगा, उस दिन राजस्थान में एक बड़ा हंगामा होगा और कई लोगों के राजनीतिक वजूद हमेशा- हमेशा के लिए समाप्त हो जाएंगे।

केन्द्रीय मंत्री ने पूछा कि यदि गहलोत पाक साफ हैं और कुछ भी गलत नहीं हुआ है तो उन्हें या सरकार के लोगों को घबराने की क्या जरूरत है। गहलोत सरकार की घबराहट बता रही है कि कहीं कोई गड़बड़ है।

गौरतलब है कि, राजेन्द्र सिंह गुढ़ा ने गत शनिवार को विधानसभा में चर्चा के दौरान अपनी ही सरकार के खिलाफ महिला सुरक्षा के मामले नाकामी का आरोप लगाते हुये कहा था कि, हम मणिपुर में महिलाओं के साथ रेप की बात कर रहे हैं लेकिन उससे पहले हमें अपनी गिरेबां में झांक लेना चाहिये। राजस्थान देश की रेप कैपिटल है देश में रेप के कुल मामलों का करीब 30 प्रतिशत राजस्थान में दर्ज होते हैं। पूरे देश में महिला उत्पीड़न के मामले में राजस्थान शीर्ष पर है।

ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे पर ऐन मौके पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई

ए.एस.आई. की 30 सदस्यीय टीम ने सोमवार सुबह से ही मस्जिद के सर्वे का काम शुरु कर दिया था

नई दिल्ली, 24 जुलाई (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ए.एस.आई.) के सर्वे करने के वाराणसी जिला अदालत के आदेश पर सोमवार को 26 जुलाई तक रोक लगा दी। जिला अदालत के 21 जुलाई 2023 के आदेश पर ए.एस.आई. के 30 सदस्यीय एक दल ने सोमवार सुबह से सर्वे का काम शुरू कर दिया था।

मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने वाराणसी की अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हुज़ेफ़ा अहमदी के मामले का तत्काल उल्लेख करने पर यह आदेश पारित किया।

पीठ ने आदेश देते हुए कहा कि जिला न्यायाधीश का आदेश 26 जुलाई शाम पांच

- **गौरतलब है कि, गत शुक्रवार को वाराणसी जिला अदालत ने अपने फैसले में आदेश दिया था कि, वजूखाने को छोड़कर पूरे मस्जिद परिसर का सर्वे तत्काल शुरु किया जा सकता है।**
- **सोमवार को इस मामले में दायर मुस्लिम पक्ष की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाते हुये आदेश दिया कि, इस बीच मुस्लिम पक्ष इलाहाबाद हाई कोर्ट में सर्वे पर रोक लगाने की अपील दायर कर सकता है।**

बजे तक लागू नहीं किया जाएगा। इस बीच मुस्लिम पक्ष इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष अपील दायर कर सकता है। पीठ ने उच्च न्यायालय रजिस्ट्री से इस मामले को सुनवाई के लिए उच्च न्यायालय के संबंधित पीठ के समक्ष रखने को भी कहा।

शीर्ष अदालत ने कहा कि जिला न्यायाधीश की ओर से सर्वेक्षण का आदेश शुक्रवार अपराह्न 4.30 बजे पारित किया गया था। ऐसे में आवेदक को उच्च न्यायालय के समक्ष अपने कानूनी उपाय करने के लिए कुछ समय दिया जाना चाहिए।

अहमदी ने सर्वे कराने के आदेश विरोध करते हुए जिला अदालत के आदेश की वैधता पर सवाल उठाया। उन्होंने इस मामले में यथास्थिति बनाए रखने की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि जिला अदालत ने शीर्ष अदालत के आदेश की अवमानना करते हुए ए.एस.आई. को मस्जिद स्थल की खुदाई करने की अनुमति दी। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि मस्जिद परिसर में फिलहाल कोई आक्रामक तरीका या खुदाई नहीं की जा रही है।

मेहता ने अपनी जानकारी का हवाला देते हुए कहा,एक भी ईंट नहीं हटाई जा रही है। वे केवल माप, फोटोग्राफी, रडार इमेजिंग कर रहे हैं। इससे पहले न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने मेहता से ज्ञानवापी मस्जिद की स्थिति का पता लगाना और इससे अदालत को अवगत कराने को कहा था।

नए वकीलों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खंडपीठ ने यह आदेश हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर के पूर्व महासचिव प्रहलाद शर्मा की पी.आई.एल. पर दिए।

सुनवाई के दौरान ए.ए.जी. ने कहा कि, राज्य सरकार ने अपनी बजट घोषणा में वकीलों के कल्याण के लिए हर साल पांच करोड़ रुपए देने का प्रावधान किया है। इसके अलावा कोविड के दौरान भी फंड दिया था। इसके जवाब में याचिकाकर्ता का कहना था कि, आंध्रप्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ व केरल में वकीलों को राज्य सरकार स्टाइपैंड दे रही है। इसलिए यहां पर भी सरकार वकीलों को स्टाइपैंड दे।

याचिका में कहा गया था कि, अन्य राज्यों में वकीलों के वेलफेयर के लिए योजनाएं हैं, लेकिन राजस्थान के वकील इससे वंचित हैं। नए वकीलों को स्टाइपैंड की जरूरत है।

वकीलों की आकस्मिक मौत होने पर भी एडवोकेट वेलफेयर फंड से उनके परिजनों को आर्थिक मदद देने की प्रदेश में कोई ठोस स्कीम नहीं है। इसलिए नए वकीलों को जल्द स्टाइपैंड जारी करवाया जाए और वेलफेयर फंड से अंशदान दिलवाया जाए।

‘स्पीकर के अयोग्यता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की संवैधानिकता को भी चुनौती दी गई है। इसलिए इस मामले में केन्द्र सरकार को भी पार्टी बनाया गया है। विधायक मोहनलाल नामा की तरफ से अधिवक्ता विमल चौधरी व योगेश टेलर ने जल्दी सुनवाई के लिए प्रार्थना पत्र दायर किया था।

सुनवाई के दौरान जब अदालत ने पूछा तीन साल पुराने मामले में किन-किन पार्टियों ने जवाब दायर नहीं किया है तो उन्हें केन्द्र सरकार की पैरवी कर रहे ए.एस.जी. आर.डी. रस्तोगी ने बताया कि केन्द्र सरकार को अभी जवाब देना शेष है इसके लिए तीन सप्ताह दिए जाएं। कोर्ट ने केन्द्र सरकार द्वारा तीन साल में भी जवाब नहीं देने पर हैरानी जताई और उन्हें तीन सप्ताह का समय दिया साथ ही विधायकों से कहा कि उन्हें प्रति उत्तर देने के लिए अतिरिक्त एक सप्ताह दिया जाता है। मामले की अगली सुनवाई अगस्त में होगी।

सुनवाई के दौरान मोहनलाल नामा के अधिवक्ता विमल चौधरी व योगेश टेलर ने कहा कि, आगामी विधानसभा चुनाव की अधिसूचना अक्टूबर 2023 में लागू हो जाएगी और मौजूदा याचिकाकर्ता विधायक दिसंबर 2023 में विधायक नहीं रहेंगे, ऐसे में मामले की जनहित में जल्द सुनवाई की जाए।

अदालत ने सभी पक्षकारों से पूछा कि क्या उन्होंने जवाब पेश कर दिया है। इस पर राज्य सरकार व स्पीकर सहित अन्य की ओर से जवाब पेश करने की जानकारी दी गई और केन्द्र सरकार की ओर से जवाब देने के लिए समय मांगा गया। इस पर अदालत ने ए.एस.जी. को तीन सप्ताह का समय दिया है।

गौरतलब है कि पी.आर. मीणा सहित अन्य विधायक ने याचिका में विधानसभा स्पीकर द्वारा 14 जुलाई 2020 को उन्हें दिए गए अयोग्यता के नोटिस को चुनौती दी थी। जिस पर हाईकोर्ट ने 24 जुलाई 2020 के अंतरिम आदेश द्वारा स्पीकर के नोटिस की क्रियान्विति पर रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट के इस आदेश को विधानसभा स्पीकर सहित अन्य ने सुप्रीम कोर्ट में एस.एल.पी. के जरिए चुनौती दे रखी है।

कर्नाटक हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर ली है। मुरलीधर का कहना है कि 12 जुलाई को शाम सात बजे उनके आफिशियल फोन के व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया। संदेश भेजने वाले का कहना था कि हाईकोर्ट के छह जज उसके निशाने पर हैं। उसका कहना था कि पाकिस्तान के अलाइट सैन्ट्रल बैंक में 50 लाख जमा न कराए तो जजों की हत्या हो जाएगी।

जिन जजों को जान से मारने की बात कही गई है उनमें जस्टिस मोहम्मद नवाज, जस्टिस एचटी नरेंद्र प्रसाद, जस्टिस अशोक जी, जस्टिस एचपी संदेश, जस्टिस के नटराजन, जस्टिस बी वीरप्पा शामिल हैं। हालांकि धमकी देने वाले ने ये बात साफ नहीं की है कि इन जजों को ही क्यों निशाने पर लिया गया है। धमकी देने वाले का कहना है कि पैसे पाकिस्तान के बैंक में नहीं पहुंचे तो छह जजों को वो टारगेट पर लेकर उनका खात्मा कर देगा।

वॉट्सएप मैसेज भेजने वाले ने खुद को दुबई गैंग का सदस्य बताया है। मुरलीधर को उसने कई अलग-अलग नंबरों से संदेश भेजे। एक मैसेज में लिखा गया था कि यह इंडियन हमारे आपके शूटर हैं। पुलिस ने आई.टी. एक्ट की धाराओं के साथ आई.पी.सी. के सेक्शनों के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना की जा रही है। अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। पुलिस देख रही है कि धमकी देने वाला कौन है?

एक रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस का कहना है कि ये बात भी साफ नहीं हो सकी है कि मैसेज भेजने वाले ने इन छह जजों को ही क्यों निशाने पर लिया। जबकि कर्नाटक हाईकोर्ट में दूसरे भी कई जस्टिस हैं। फिलहाल धमकी देने वाले की सही लोकेशन पता करने की कोशिश की जा रही है।

शेयर मार्केट से ''डी-लिस्ट'' हो रही कंपनी के निवेशकों का पूरा पैसा अब डूबेगा नहीं!

मुंबई, 24 जुलाई। आने वाले दिनों में कंपनी के डी-लिस्टिंग की प्रक्रिया आरंभिक सार्वजनिक पेशकश यानी आई.पी.ओ. की तर्ज पर हो सकती है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने बताया कि सेबी डी-लिस्टिंग को रिवर्स बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के बजाय फिक्स्ड प्राइस के माध्यम से अनुमति देने पर विचार कर रहा है। नियामक ने कहा कि सेबी दिसंबर तक इस विषय पर एक चर्चा पत्र जारी करेगा। इसके तहत अब किसी कंपनी की डी-लिस्टिंग होगी तो उसके लिए फिक्स्ड प्राइस भी तय किया जाएगा।

बता दें कि इस तरह की प्रक्रिया आई.पी.ओ. में अपनाई जाती है। आई.पी.ओ. के जरिए कंपनी की लिस्टिंग होती है और इससे पहले

- **सेबी की चेयरपर्सन माधवी बूच ने बताया कि, डी लिस्ट होने जा रही कंपनी भी अपने निवेशकों का पैसा वापस लौटायेगी, इसके लिए आई.पी.ओ की तर्ज पर नई व्यवस्था शुरु की जायेगी**
- **आम तौर पर जब कोई कंपनी अपना कारोबार बंद करती है, खुद को दिवालिया घोषित कर देती है या फिर विलय, लिस्टिंग आवश्यकताओं को पूरी नहीं कर पाती है तो डी-लिस्टिंग में जाती है। इसके लिए अभी किसी तरह की फिक्स्ड प्राइस नहीं तय की जाती है।**

फिक्स्ड प्राइस तय किया जाता है। डी-लिस्टिंग की प्रक्रिया तब की जाती है जब किसी कंपनी को इंडेक्स से बाहर निकलना होता है। यह स्वैच्छिक या अस्वैच्छिक हो सकती है। आम तौर पर जब कोई कंपनी अपना कारोबार बंद करती है, खुद को दिवालिया घोषित कर देती है या फिर विलय, लिस्टिंग आवश्यकताओं को पूरी नहीं कर पाती है तो डी-लिस्टिंग में जाती है। इसके लिए अभी किसी तरह की फिक्स्ड प्राइस नहीं तय की जाती है।

‘प. बंगाल में रामनवमी पर हुई हिंसा की एन.आई.ए. जांच होकर ही रहेगी’

सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी देते हुये जांच पर रोक लगाने की प. बंगाल सरकार की याचिका खारिज कर दी

नई दिल्ली, 24 जुलाई (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने रामनवमी पर हुई हिंसक घटनाओं से संबंधित छह प्राथमिकी को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एन.आई.ए.) को स्थानांतरित करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली पश्चिम बंगाल सरकार की विशेष अनुमति याचिका सोमवार को खारिज कर दी।

मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से

- **गौरतलब है कि, प. बंगाल में गत तीस मार्च को रामनवमी के मौके पर जगह-जगह हिंसा और धार्मिक यात्राओं पर पथराव की घटनायें हुईं थीं। इनमें कई लोगों की मौत हो गई थी तथा कई अन्य लोग घायल हुये थे।**

केंद्र सरकार की अधिसूचना को चुनौती नहीं दी गई है। इसलिए हम राज्य सरकार की विशेष अनुमति याचिका पर विचार नहीं कर रहे हैं।

पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार ने एन.आई.ए. जांच का निर्देश देने के लिए अधिसूचना जारी की है, जिसे राज्य सरकार ने चुनौती नहीं दी है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सुवेंदु अधिकारी की ओर से दायर याचिका पर इस साल हावड़ा और अन्य स्थानों पर रामनवमी के दौरान हुई हिंसा के मामले में छह प्राथमिकियों को एन.आई.ए. को स्थानांतरित करने का आदेश 27 अप्रैल 2023 को दिया था।

पीठ ने कहा कि राज्य पुलिस द्वारा छह प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। ये प्राथमिकी 30 मार्च से अप्रैल 2023 के पहले सप्ताह के दौरान दर्ज की गईं। एन.आई.ए. द्वारा की जाने वाली जांच की सटीक रूपरेखा का इस स्तर पर अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।

शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि केंद्र ने एन.आई.ए. अधिनियम के तहत इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेते हुए एक अधिसूचना जारी की थी।

सरकार सभी राज्यों में अपराधों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विपक्ष ने नियम 267 के तहत नोटिस देकर मणिपुर पर चर्चा होने तक सारी कार्रवाई स्थगित करने की मांगकी है। एन.डी.ए. के सांसदों ने नियम 176 के तहत नोटिस दिए हैं जिसमें अल्पावधि चर्चा होती है।

विपक्ष मणिपुर पर प्रधानमंत्री के वक्तव्य पर अड़ा हुआ है जबकि एन.डी.ए. का कहना है कि परम्परानुसार गृह मंत्री अमित शाह बहस का जवाब देंगे। लोकसभा में इंडिया गठबंधन के सांसदों में मणिपुर के लिए न्याय की तख्तियां लहराई।

लोकसभा में अफरा तफरी के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष चर्चा से भाग रहा है। राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि वे 20 जुलाई को सदन में मणिपुर पर अल्पावधि चर्चा का नोटिस स्वीकार कर चुके हैं और सरकार तैयार है।

धनखड़ ने कहा कि एन.डी.ए. सांसदों से प्राप्त शेष 11 नोटिसों पर वे सक्रिय कार्यवाई कर रहे हैं।

धनखड़ ने विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे सहित विपक्षी सांसदां के नाम पढ़े जिनसे नियम 267 के नोटिस प्राप्त हुए हैं। विपक्ष के सांसदों द्वारा वैल में सरकार विरोधी नारे लगाने के बाद उन्होंने सदन को दोपहर तक के लिए स्थगित कर दिया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने भी विपक्षी सांसदों द्वारा मणिपुर पर चर्चा के हल्ले के बीच कार्रवाई दोपहर तक के लिए स्थगित कर दी। सरकार सभी राज्यों में अपराधों पर चर्चा चाहती है, केवल मणिपुर पर नहीं, जबकि विपक्ष केवल मणिपुर पर चाहता है।

राज्यसभा में विपक्ष ने नियम 267 के तहत चर्चा की मांग जारी रखी लेकिन गत कुछ दिनों से संसद में अनुशासन की बात करने वाले धनखड़ ने पहले आप के सांसद का नाम लिया।

सभापति ने सबसे पहले सदन की कार्रवाई में दखल के लिए संजय सिंह का नाम लिया जब विपक्ष के विरोध के बीच प्रश्नकाल लिया गया। विपक्ष मणिपुर हिंसा पर विस्तृत चर्चा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वक्तव्य चाहता है। 51 वर्षीय संजय सिंह विपक्ष की मांगों के लिए अध्यक्ष के आसन के नज़दीक आए। धनखड़ ने उनको अपना स्थान ग्रहण करने के लिए कहा। जब आप सांसद विरोध करते रहे तो सभापति ने उनका नाम लिया।

सभापति द्वारा संजय सिंह का नाम लेने के बाद सदन के नेता पीयूष गोयल ने एक प्रस्ताव पेश कर आसन से आप सदस्य को निलंबित करने की मांग की।

आसन से संजय सिंह के विरूद्ध कार्रवाई का निवेदन करते हुए गोयल ने कहा, ''इस तरह का व्यवहार और सदन में व्यवधान उत्पन्न करना सदन की परम्पराओं और नियमों के विरूद्ध है। सरकार संजय सिंह को निलंबित करने का प्रस्ताव लाना चाहती है।

प्रस्ताव सदन की स्वीकृति के लिए प्रस्तुत हुआ जिसने इसे स्वीकृति दे दी।

सभापति ने संजय सिंह के निलंबन की घोषणा कर दी। राज्यसभा स्थगित होने तक आप सदस्य विरोध करते रहे।

मु.मंत्री संगमा के कार्यालय पर भीड़ ने हमला किया

शिलॉन्ग, 24 जुलाई। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा के कार्यालय पर भीड़ ने सोमवार शाम को हमला कर दिया, जिसमें 5 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। सी.एम. संगमा सुरक्षित हैं। वह अभी भी तुरा में स्थित अपने कार्यालय के अंदर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सैकड़ों लोगों ने उनकी ऑफिस को घेर लिया है। दरअसल, गारो हिल्स स्थित सिविल सोसाइटी ग्रुप तुरा में शीतकालीन राजधानी की मांग कर रहा है। इसे लेकर लोग भूख हड़ताल पर भी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्यमंत्री तुरा स्थित कार्यालय में 3 घंटे से अधिक समय तक आंदोलनकारी संगठनों के साथ बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान अचानक हजारों की भीड़ ने सी.एम.ओ. के पास आई और पथराव करने लगी। सी.एम.ओ. तुरा की खिड़कियों पर भी पत्थर फेंके गए हैं। पुलिस की ओर से जवाबी कार्रवाई शुरू की गई। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे गए।

''मिसिंग'' विदेश मंत्री और ''सीक्रेसी'' ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा श्रीलंका के वरिष्ठ राजयनिकों से मिले थे।

पिछले सप्ताह, यूरोपियन संघ के विदेश नीति प्रमुख जोसफ बोरेल के साथ उनकी मीटिंग पूर्व निर्धारित थी लेकिन बीजिंग ने, यह कहते हुये कि चिन उपलब्ध नहीं हैं, बोरेल की यात्रा को एकाएक रद्द कर दिया था।

''एशिया सोसायटी पॉलिसी इन्स्टीट्यूट्स सेन्टर फॉर चाइना ऐनेलेसिस'' के सीनियर फैलो फिलिप ली कोर्ट के अनुसार, आगे और कोई स्पष्टीकरण दिये बिना इस यात्रा को रद्द किया जाना यूरोपवासियों के लिये ''अगर लज्जाजनक नहीं, तो बहुत अधिक विस्मयकारी'' जरूर था।

7 जुलाई को विदेश मंत्रालय से पहली बार यह पूछा गया कि क्या इस यात्रा को रद्द किये जाने के पीछे स्वास्थ्य संबंधी कारण थे, लेकिन उसके प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि उन्होंने ''इस विषय में कुछ नहीं सुना'' है।

लेकिन इसके सिर्फ चार दिन बाद ही वैंग ने कहा कि क्विन ''स्वास्थ्य संबंधी कारणों'' के चलते, इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में आयोजित ''एसोसिएशन ऑफ साउथ-ईस्ट एशियन नेशंस'' की मीटिंग में शामिल नहीं हो पायेंगे, किन्तु विस्तार से कुछ नहीं बताया गया।

चिन को क्या हुआ इसकी अफवाहें पिछले कुछ सप्ताहों से घरेलू और विदेशी सोशल मीडिया पर फैल रही हैं।

जब सोमवार को चिन के गायब होने के बारे में जोर देकर पूछा गया तो विदेश मंत्रालय की एक अन्य प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि उनके पास कोई जानकारी नहीं है।

लेकिन आश्चर्य की बात है कि क्विन के गायब होने के बारे में प्रश्न और टिप्पणियां मंत्रालय की वेबसाइट से गायब थे।

विदेश मंत्रालय की अधिकृत वेबसाइट पर क्विन का नाम अभी भी विदेश मंत्री के रूप में है।

ली कोरे ने कहा, ''किसी अन्य देश के लिए इसे एक गंभीर कूटनीतिक शर्मिंदगी होता, लेकिन चीन में हमेशा राजनीति हावी रहती है। कूटनीति दोयम दर्जे की कार्रवाई है और विदेश मंत्री इतने शक्तिशाली नहीं होते।''

उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी स्पष्टीकरण के लिए तैयारी कर रही है। कोरे ने कहा कि क्विन का विदेश उप मंत्री (प्रोटोकॉल प्रभारी) से लेकर अमेरिका में राजपूत और विदेश मंत्री तक का उत्थान बहुत तेज था। उन्होंने कहा, ''वे आपके आम विदेश मंत्री नहीं है। उनके संपर्क ऊपर तक हैं।

लंदन स्थित रॉयल युनाइटेड सर्विसेज इंस्टीट्यूट में एसोसिएट फैलो सैरी आर्हो हैवरेन ने कहा कि क्विन का मामला प्रत्यक्ष उदाहरण हैं कि व्यवस्था कैसे काम करती है। उन्होंने कहा, ''यह खेल कयासबाजी का है। कम्युनिस्ट पार्टी पारदर्शी नहीं है। और आमतौर पर ऐसी स्थिति में सूचना जारी नहीं करती जबकि वे तीन सप्ताह से गायब हैं जो एक लंबी अवधि है। तो हम सिर्फ अनुमान ही लगा सकते हैं।

सिंगापुर में ली कुआन यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी में एसोसिएट प्रोफेसर एल्फ्रेड वु ने कहा कि क्विन की स्थिति स्पष्ट करने या उससे इंकार करने में बीजिंग की असफलता उनके कैरियर और देश की छवि के लिए अशुभ संकेत हैं।

उन्होंने कहा कि स्थिति अप्रत्यशित नहीं है। उन्होंने उदाहरण दिया जब 2012 में पार्टी के शीर्ष पद पर पहुंचने से पहले शी गायब रहे। उन्होंने कहा, ''यह एक और उदाहरण है गोपनीयता के प्रति चीन की सनक था।''

वू ने कहा कि क्विन की अनुपस्थिति और बीजिंग का इस पर रवैया ज्यादा अधिनायकवादी हो रहा है जिससे चीन की एक व्यक्ति पर केन्द्रित राजनीति और अनिश्चित होती जा रही है जिससे विदेशी निवेश सुनिश्चित करना मुश्किल हो रहा है।

पेनसिल्वेनिया की बकनैल युनिवर्सिटी में अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर झिकुन झू ने कहा इस रहस्य से चीन की अपारदर्शी व्यवस्था के नकारात्मक पक्ष को बढ़ावा मिलेगा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908

अविश्वसनीय कीमतें

ALTO K10	S-PRESSO		CELERIO	
₹5 09 999*	₹5 59 999*	₹6 49 999*	₹5 99 999*	₹7 09 999*
VXI	VXI+	VXI CNG	VXI	VXI CNG

ALTO K10 S-PRESSO CELERIO

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership | For bulk orders, mail at: bharat.mittal@maruti.co.in

MARUTI SUZUKI AUTHORIZED DEALERS: JHUNJHUNU: AURIC MOTORS: 8955664400. **KOTA: BHATIA & COMPANY:** CORPORATE OFFICE: 23-24, INDUSTRIAL ESTATE: 7230006839, 9829818018, 9784598109, 9829099081, 9829045729, 9829187004. DAKANIYA SHOWROOM: G-11-12, AUTO MOBILE ZONE, NEAR DAKANIYA STATION: 9001997116, 9001997113, 9587898054. **SUWALKA MOTORS PVT. LTD.:** KUNHARI: 0744-2370272, 9116312345, 7300308888. SULTANPUR: 9116178527. BHAWANIMANDI: 9116178557. KHANPUR: 07430-299240, 8306333715. **JODHPUR: AURIC MOTORS PVT LIMITED:** SARASWATI NAGAR, NEW PALI ROAD: 0291- 2722691, 9015900500. BALESAR: 6377715171. AHORE: 9015900500. SAYLA: 9015900500. **SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.:** PRATAP NAGAR: 0291-2762064/65, 9929244403, 9829144436. PHALODI: 9928841300, 9116150669, 9929244402. **L.M.J. SERVICES LTD:** A-11, INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWER HOUSE ROAD: 8094011123, 8094011151, 0291- 2630478/79/80. **NAGAUR: MANGALAM MOTORS**: 9116008626, 9116008630. **PALI: L.M.J. SERVICES LTD.:** 02932 - 256177, 8094011136. **SIROHI: NAVNEET MOTORS:** 02972-222917-18, 7665010638. **UDAIPUR: NAVNEET MOTORS**: MADRI: 0294-2494454, 7230046380. CITY STATION ROAD: 0294-2415142, 7230046381. **TECHNOY MOTORS:** GOVARDHAN VILLAS: (0294) 2485158, 2485738, 9982666809. **BANSWARA: NAVNEET MOTORS**: 9414159145, 7665010632, 7412074100. **BHILWARA: LOHIA AUTOMOBILES**: 01482-264061, 264144, 09799545333, 09950512555. **CHAMPION CARS**: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. **BHARATPUR: TM MOTORS:** 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626. **CHITTORGARH: BHATIA & COMPANY**: 9414130799, 9001791753, 9587208999, 9414179006, 9413316117. **SAWAI MADHOPUR: PREM MOTORS PVT. LTD.:** SAWAI MADHOPUR: 07462-220029/8058799005/8058794181. **JAIPUR: VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** DAUSA: 9773364861. LALSOT: 9773364863. BANDIKUI: 9773364864. MAHWA: 9773364862. MEHANDIPUR BALAJI: 9773364865. UNIARA: 7742944482. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** PHULERA: 7412077062. SAMBHAR: 7412068410. ACHROL: 7412077078. **FORTUNE CARS:** KARAULI: 8875001175/ 8875005132. HINDAUN: 9214794314/8875007758. **PREM MOTORS PVT. LTD.:** BASSI: 8058794137. SAWAI MADHOPUR: 07462-220029 / 8058799005 / 8058794181. GANGAPUR CITY: 8058794021. BAGRU: 8058401166. KOTPUTLI: 8058794121. JOBNER: 8058796065. RENWAL: 8058600117. RENWAL-MANJHI: 8058794042. DUDU: 8058406655. PHAGI: 8058403338. KANOTA: 8058794167. TUNGA: 8058794137. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** TONK: 9549651924. CHAKSU: 9549651926. SHAHPURA: 8696925275. DEOLI: 8696934957. MALPURA: 9549650513. NIWAI: 9667777114. PAOTA: 9549650495. VIRATNAGAR: 6350612446. JAMWA RAMGARH: 6350612727. **SANGA AUTONATION:** 9057809150, 7734901000. **CHURU: TRS CHURU:** 9356501550. **BIKANER: DUDI AUTOMOBILES:** 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. PADAMPUR: 7412075151. **AURIC MOTORS**: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **AJMER: RELAN MOTORS**: 0145-2610106, 9214444222. **AJMER AUTO**: 0145-2425200, 9314531845, 9314391004. **ALWAR: MG MOTORS:** 9001795515, 9001795517, 8003692651, 8003692652, 8003090466. **SRIGANGANAGAR: AURIC MOTORS**: 8955559963. **DUDI AUTOMOBILES:** PADAMPUR: 7412075151. **SIKAR: JAMU AUTOMOBILES**: (01572) 245515 / 246219. **NEEM KA THANA: JAMU AUTOMOBILES**: 9785644715

*Applicable Terms and conditions available at Maruti Suzuki Arena authorized dealer. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. All offers are applicable till 31st July 2023 or till stocks last. Offers applicable on selected models and selected cities. Car models and accessories shown may vary from the actual product. Images used are for illustration purpose only. Offers shown above include Consumer Offer and Exchange Bonus. Prices mentioned are tentative and might vary basis applicable offers and registration cost. ^All loans and schemes are at the sole discretion of the Finance Partner.